



महिला विश्व कप :
@ पेज 7

सतना, रीवा एवं मनेन्द्रगढ़ से एक साथ प्रकाशित



जुबीन गर्ग मौत मामला, सिंगर के दो सिक्योरिटी ऑफिसर गिरफ्तार

गुवाहाटी, एजेंसी। असम के मशहूर सिंगर जुबीन गर्ग की संदिग्ध मौत मामले में उनके दो पर्सनल सिक्योरिटी ऑफिसर (PSO) को स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (SIT) ने शुक्रवार को गिरफ्तार किया। दोनों का नाम नंदेश्वर बोरा और परेश बैश्य है, जो लंबे समय से जुबीन गर्ग के सिक्योरिटी ऑफिसर थे। पुलिस ने दोनों को उनके बैंक अकाउंट से पिछले चार-पांच सालों के दौरान 1 करोड़ से ज्यादा के लेन-देन के मामले में गिरफ्तार किया है। इनमें से 70 लाख बोरा और 40 लाख बैश्य के खाते में आए थे। दोनों अफसरों को पहले ही सस्पेंड कर दिया गया था। सिंगर की मौत मामले में अब तक 7 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। इनमें जुबीन के चचेरे भाई और DSP संदीपन गर्ग, मैनेजर सिद्धार्थ शर्मा, सह गाथिका अमृतप्रभा महंत, नॉर्थ ईस्ट इंडिया फेस्टिवल के आयोजक श्यामकनु महंत, बैंड के ड्रम मास्टर शेखर ज्योति गोस्वामी शामिल हैं।

जुबीन की 19 सितंबर को सिंगापुर में स्कूबा डाइविंग के दौरान समुद्र में डूबने से मौत हो गई थी।

काबुल में अपने मिशन को दूतावास का दर्जा देगा भारत

नई दिल्ली, एजेंसी। विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर और उनके अफगानी समकक्ष अमीर खान मुताकी के बीच शुक्रवार को यहां द्विपक्षीय वार्ता हुई। विदेश मंत्री डॉ. जयशंकर ने इस वार्ता को अफगानिस्तान के साथ अपने संबंधों का पुनर्जागरण बताया और काबुल स्थित भारतीय मिशन को दूतावास का दर्जा दिए जाने की घोषणा की। अफगानिस्तान के विदेश मंत्री मुताकी 09 से 16 अक्टूबर तक भारत की यात्रा पर हैं। आज उन्होंने विदेश मंत्री के साथ औपचारिक मुलाकात और वार्ता की। विदेश मंत्री जयशंकर ने कहा, एक निकटवर्ती पड़ोसी और जनता के शुभचिंतक के रूप में भारत को अफगानिस्तान के विकास और प्रगति में गहरी रुचि है।

सबरीमाला गोल्ड चोरी मामले में केस दर्ज

तिरुवनंतपुरम, एजेंसी। केरल हाईकोर्ट ने शुक्रवार को कहा कि अब तक की जांच से लग रहा है कि सबरीमाला मंदिर के गेट पर रखी दो प्रतिमाओं (द्वारपालक) से सोने की हेराफेरी हुई है। कोर्ट ने मामले में क्रिमिनल केस दर्ज करने और स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (SIT) को जांच शुरू करने का निर्देश दिया। जस्टिस राजा विजयशंकरन वी और जस्टिस के वी जयकुमार की बेंच ने रेड्डू को छह हफ्ते के भीतर जांच रिपोर्ट दाखिल करने और हर दो हफ्ते में एक बार जांच की स्टेटस रिपोर्ट पेश करने का भी निर्देश दिया। कोर्ट ने कहा कि जांच से जुड़ी कोई भी जानकारी लीक नहीं होनी चाहिए। बेंच ने आगे कहा कि अब तक की जांच से पता चला है उकीरूणन पोड्डी (सोने की परत चढ़ाने की पेशकश करने वाले सांसार) को काफी मात्रा में सोना सौंपा गया था।



पश्चिम बंगाल में ‘कोल्डरिफ’ कफ सिरप की बिक्री पर रोक, मप्र में बच्चों की मौत के बाद उठाया कदम

कोलकाता, एजेंसी। मध्य प्रदेश में कथित रूप से ‘कोल्डरिफ’ कफ सिरप के सेवन से कई बच्चों की मौत के बाद पश्चिम बंगाल में इसकी बिक्री पर तत्काल प्रभाव से रोक लगा दी गई है। बंगाल केमिस्ट्स एंड ड्रगिस्ट्स एसोसिएशन (बीसीडीए) ने राज्य के सभी खुदरा और थोक दवा विक्रेताओं को इस कफ सिरप की खरीद-बिक्री बंद करने का निर्देश जारी किया। बीसीडीए के सचिव पृथ्वी बसु ने शुक्रवार को बताया कि मध्य प्रदेश में हुई घटना से जुड़ा बैच पश्चिम बंगाल में नहीं आया है, लेकिन एहतियात के तौर पर सभी दवा विक्रेताओं को इसके स्टॉक और बिक्री पर रोक लगाने के लिए कहा गया है। उन्होंने बताया कि इस संबंध में दवा विक्रेताओं के साथ 11 अक्टूबर को बैठक बुलाई गई है ताकि इस पर और सख्त दिशा-निर्देश दिए जा सकें। यह कदम ऐसे समय में उठाया गया है जब देशभर में बिना पर्ची के मिलने वाले कफ सिरप की गुणवत्ता पर गंभीर सवाल उठ रहे हैं। ‘कोल्डरिफ’ सिरप का निर्माण तमिलनाडु स्थित एक दवा कंपनी द्वारा किया जाता है, जिसके निमाता को बच्चों की मौत के बाद गिरफ्तार कर लिया गया है। इस घटना से पश्चिम बंगाल सहित कई राज्यों में दहशत फैल गई थी। रिपोर्टों के अनुसार, इस सिरप में प्रोपाइलीन ग्लाइकोल, ग्लिसरीन और सोलिटोल जैसे रासायनिक तत्व पाए गए हैं। पश्चिम बंगाल राज्य औषध नियंत्रण प्राधिकरण ने निर्देश जारी किया है कि इन रासायनिक तत्वों की आपूर्ति केवल प्रमाणित विक्रेताओं से ही की जाए और इन्हें मान्यता प्राप्त प्रयोगशालाओं में जांचा जाए।



नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर का राज्य का दर्जा बहाल करने की मांग वाली याचिकाओं पर जवाब देने के लिए सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार को चार हफ्ते का समय दिया है। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कोर्ट को बताया कि केंद्र और केंद्र शासित प्रदेश सरकार मामले में बात कर रहे हैं। कुछ लोग झूठी बातें फैला रहे हैं और जम्मू-कश्मीर की भयावह तस्वीर पेश कर रहे हैं। मेहता ने कोर्ट को बताया कि इस मामले में कई बातें हैं जिन पर विचार करने की जरूरत है। इससे पहले 14 अगस्त को हुई सुनवाई में कोर्ट ने इस मुद्दे पर केंद्र सरकार से आठ हफ्तों के अंदर लिखित जवाब मांगा था। चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया (CJI) बीआर गवई और जस्टिस के विनोद चंद्रन की बेंच ने अप्रैल में हुए पहलगाम आतंकी हमले का जिक्र करते हुए कहा था कि जम्मू-कश्मीर की जमीनी हकीकत और

जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा केस की सुनवाई सुप्रीम कोर्ट ने केन्द्र से 4 हफ्ते में जवाब मांगा, 6 साल पहले धारा-370 हटाई गई थी



कोर्ट ने कहा- जमीनी हकीकत को देखा जाएगा

पिछली सुनवाई में CJI ने कहा था कि कोर्ट सरकार के जवाब के बिना आगे नहीं बढ़ेगी। फैसला लेते समय सुरक्षा हालात और जमीनी स्थिति भी देखी जाएगी, सिर्फ संविधान की बहस पर फैसला नहीं होगा। कोर्ट ने सरकार को 8 हफ्तों में जवाब देने का समय दिया है। सीनियर एडवोकेट शंकर नारायणन ने कहा कि 11 दिसंबर 2023 के फैसले में कोर्ट ने निर्देश दिया था कि जम्मू-कश्मीर में सितंबर 2024 तक चुनाव कराए जाएं और फिर राज्य का दर्जा बहाल किया जाए। लेकिन 21 महीने बीतने के बाद भी कोई प्रगति नहीं हुई है।

पहलगाम जैसी आतंकी घटनाओं को अनदेखा नहीं किया जा सकता। दरअसल, 5 अगस्त 2019 को अनुच्छेद 370 हटाने के बाद

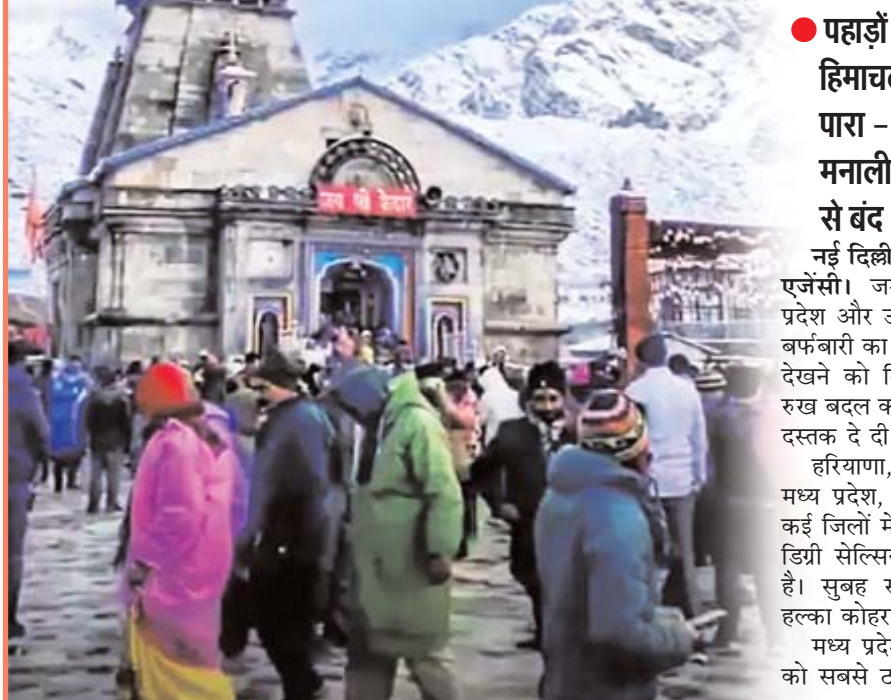
याचिकाकर्ता बोले-

राज्य में हालात सामान्य
ये याचिकाएं प्रोफेसर जहूर अहमद भट और सामाजिक-राजनीतिक कार्यकर्ता खुशीद अहमद मलिक ने दायर की थीं। उन्होंने दलील दी कि विधानसभा और लोकसभा चुनाव शांतिपूर्वक हो गए हैं। इससे स्पष्ट है कि राज्य की सुरक्षा व लोकतांत्रिक प्रक्रियाएं सुचारु रूप से चल रही हैं। लेकिन राज्य का दर्जा वापस न मिलने से वहां निर्वाचित सरकार का महत्व कम रहा है और यह संघीय ढांचे के तानाबाना को भी कमजोर कर रहा है।

और विशेष राज्य का दर्जा समाप्त करने को सही माना था। तब सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा था कि केंद्र सरकार जम्मू-कश्मीर का राज्य दर्जा बहाल करेगी। सरकार चुनावों के बाद राज्य का दर्जा बहाल करने के वादे पर काम कर रही है।

केंद्र सरकार ने केंद्र शासित प्रदेश बनाया था। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट में केंद्र के फैसले को चुनौती दी गई। दिसंबर 2023 में सुप्रीम कोर्ट ने राज्य से आर्टिकल 370 हटाने

राजस्थान-म.प्र. के शहरों में तापमान 15डिग्री पहुंचा



पहाड़ों पर बर्फबारी, हिमाचल के केलोंग में पारा -1 डिग्री दर्ज; मनाली-लेह हाईवे 4 दिन से बंद

नई दिल्ली/ भोपाल/ लखनऊ, एजेंसी। जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में पहाड़ों पर बर्फबारी का असर मैदानी राज्यों में देखने को मिल रहा है। हवा का रुख बदल कर उत्तरी होने से ठंड ने दस्तक दे दी है। हरियाणा, पंजाब, राजस्थान, मध्य प्रदेश, दिल्ली, उत्तर प्रदेश के कई जिलों में रात का तापमान 20 डिग्री सेल्सियस से नीचे आ गया है। सुबह सर्द हवाओं के साथ हल्का कोहरा भी छाने लगा है। मध्य प्रदेश का राजगढ़ गुरुवार को सबसे ठंडा रहा। यहां रात का

पारा 15.6°C दर्ज हुआ। भोपाल का न्यूनतम तापमान 1.6°C गिरकर 18 डिग्री पहुंच गया, जो सामान्य से 2.4ए कम है। राजस्थान के सिराही में भी रात का तापमान 15.2ए रहा। सीकर में न्यूनतम तापमान 16 डिग्री, पिलानी में 16.6 डिग्री और अजमेर में 16.9 डिग्री दर्ज किया गया।

हिमाचल के लाहौल स्पीति में -1 डिग्री तापमान : हिमाचल प्रदेश में लगातार चार दिन बारिश और बर्फबारी के बाद गुरुवार को मौसम साफ रहा। हालांकि, कुल्लू, लाहौल स्पीति, किन्नौर, चंबा, मंडी, कांगड़ा और शिमला में बर्फ की चादर बिछी है। लाहौल-स्पीति के केलोंग में कल सबसे कम तापमान -1°C दर्ज किया गया। कुकुमसेरी में -0.9°C तापमान रहा। शिमला में न्यूनतम तापमान 9.8 डिग्री और मनाली में 7.7 डिग्री दर्ज किया गया।

अयोध्या में धमाके से मकान ढहा, 5 की मौत



मरने वालों में पिता, उसके 3 बच्चे; बाँड़ी के चीथड़े उड़े; 4 दिन में दूसरी बार ब्लास्ट

अयोध्या, एजेंसी। अयोध्या में राम मंदिर से करीब 25 किमी दूर पूरा कलंदर थाना क्षेत्र में गुरुवार शाम धमाके के बाद एक मकान पूरी तरह ढह गया। धमाके की गुंज एक किमी दूर तक सुनाई दी।

मलबा 200 मीटर दूर तक बिखर गया। मकान के मलबे में दबकर पिता, दो बेटे, एक बेटी और साली की मौत हो गई। पिता के चीथड़े उड़ गए थे। वहीं, पत्नी लापता है। घटना की जानकारी मिलते ही अधिकारी और रेस्क्यू टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने आसपास के घरों को खाली कराया और लोगों से घटनास्थल से दूर रहने की अपील की है।

लेह में हिंसा के 16 दिन बाद भी हालात खराब

दूरिस्ट नहीं आ रहे, फिर भी दावा- सब नॉर्मल; आधी रात से इंटरनेट बहाल

गुवाहाटी, एजेंसी। साल के करीब 7-8 महीने पर्यटकों से भरा रहने वाला लेह का मुख्य बाजार सूना पड़ा है। होटल खाली हैं। 5 से 10 हजार रुपये के मामूली किराए में भी नहीं भर रहे। टैक्सी स्टैंड पर गाड़ियां खाली खड़ी हैं। जितने दूरिस्ट अभी यहां हैं, उससे 10 गुना ज्यादा सुरक्षाकर्मी पहरा दे रहे हैं। इंटरनेट बंद है। हमने ऐसी जिंदगी पहले कभी नहीं जी। हिंसा ने हमारे सीजन की खुशियां छीन लीं। और उप राज्यपाल दावा कर रहे हैं कि लेह में सब नॉर्मल है। जो हालात हैं, उसे हमारे लिए नॉर्मल नहीं कह सकते। यह बात जब रिगिजन वागमो लेचिक बोल रही थीं, तब उनकी आंखों में आंसू थे। लेचिक ऑल लद्दाख होटल एंड गेस्ट हाउस



एसोसिएशन लेह की अध्यक्ष भी हैं। लेचिक ने बताया कि पहलगाम की घटना ने 50% दूरिस्ट को नुकसान पहुंचाया था, लेह की हिंसा में यह बढ़कर 80% हो गया है। 2000 गेस्टहाउस, होटल्स खाली पड़े हैं। लद्दाख की कुल जीडीपी में पर्यटन का हिस्सा 50% है। अक्टूबर में हम अगले मार्च-अप्रैल की बुकिंग शुरू कर देते थे, लेकिन इस बार एक भी प्री-बुकिंग नहीं है। अगले कुछ दिन में बर्फाली उंड शुरू होते ही यहां सबकुछ बंद हो जाएगा। हम आज नहीं कमाएंगे तो अगले छह महीने गुजारा कैसे करेंगे

लद्दाख की राजधानी लेह में स्थानीय लोगों के विरोध के बाद इंटरनेट सेवा गुरुवार रात बहाल कर दी गई।

16 दिन बंद रहा इंटरनेट

24 सितंबर से पूरे लेह में यही हाल है। शोशल एक्टिविस्ट सोनम वांगचुक के अनशन के बीच हुई हिंसा ने लेह की शांति छीन ली। लेह अपेक्स बांडी के सह-अध्यक्ष शेरिंग दोरजे ने बताया कि शासन किस बात को नॉर्मल कह रहा है, ये समझ से परे हैं। पांच लोग आज भी एक साथ कहीं खड़े नहीं हो सकते, क्योंकि धारा 163 लगी है। 2% से लेकर 5% और सार्वजनिक वाईफाई नेटवर्क तक सब बंद रहे। हिंसा के आरोप में 39 लोग अभी भी पुलिस हिरासत में हैं। स्कूल खुल रहे हैं, लेकिन कक्षाओं में बच्चे नहीं पहुंच रहे। वांगचुक के लिए पूरा लेह खड़ा है, लेकिन मौसम और कमाई की मजबूरी के चलते लोगों को बाजार खोलना पड़ रहा है। लेह टैक्सी यूनियन के अध्यक्ष थिंगलेस नामग्याल ने बताया कि 24 सितंबर से अब तक एक भी बुकिंग नहीं मिली।

अठावले की मांग- सीजेआई गवई पर जूता फेंकने के आरोपी पर एससी-एसटी एक्ट के तहत कार्रवाई हो

मुंबई, एजेंसी। केंद्रीय मंत्री रामदास अठावले ने चीफ जस्टिस बीआर गवई के ऊपर जूता फेंकने की घटना पर नाराजगी प्रकट की है। अठावले ने इस मामले में आरोपी 71 वर्षीय वकील राकेश किशोर के खिलाफ अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) कानून के तहत मामला दर्ज कर सख्त कार्रवाई की मांग की है।

घटना इमलिए हुई क्योंकि उच्च जाति के कुछ लोग: सीजेआई बीआर गवई पर जूता फेंकने की कोशिश करने वाले 71 वर्षीय वकील राकेश किशोर ने सोमवार (6 अक्टूबर) को इस निंदनीय कृत्य को अंजाम दिया था। राकेश के खिलाफ कर्नाटक में जीरो एफआईआर दर्ज कराई गई है। सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन (SCBA) ने उनका पंजीकरण रद्द कर दिया है। इस घटना के पीछे मानसिकता को लेकर केंद्रीय मंत्री अठावले ने कहा, यह घटना इसलिए हुई क्योंकि उच्च जाति के कुछ लोग इस बात को स्वीकार नहीं कर पा रहे थे कि दलित समुदाय से आने वाले गवई इतने ऊंचे पद पर पहुंच गए हैं।

जस्टिस गवई योग्यता के आधार पर CJI बने, कुछ लोगों को नागवार गुजर रही यह बात: पणजी में बहुसंख्यतावादी को एक संवाददाता सम्मेलन के दौरान केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता राज्य मंत्री अठावले ने कहा, घटना निंदनीय है। देश के मुख्य न्यायाधीश पर इस तरह का हमला पहली बार हुआ है। जस्टिस भूषण गवई दलित समुदाय से आते हैं और उन्होंने अपनी योग्यता के आधार पर यह पद हासिल किया है।



देश की सबसे अमीर महिला बनीं सावित्री जिंदल, फोर्ब्स इंडिया की सूची जारी, अंबानी-अडाणी के बाद तीसरा नंबर

6 महीने में 4.1 बिलियन डॉलर बढ़ी संपत्ति

हिसार, एजेंसी। फोर्ब्स इंडिया की रिच लिस्ट 2025 में हरियाणा की हिसार की विधायक और ओपी जिनंदल समूह की प्रमुख सावित्री जिंदल भारत की सबसे अमीर महिला बन गई हैं। 39.6 बिलियन डॉलर की कुल संपत्ति के साथ, उन्होंने मुकेश अंबानी और गौतम अडानी के बाद भारत के सबसे

धनी लोगों में तीसरा स्थान हासिल कर लिया है। गुरुवार (9 अक्टूबर) को ही यह लिस्ट जारी हुई है। अब दुनिया के सबसे अमीर लोगों में सावित्री जिंदल का 48वां स्थान है। इससे पहले अप्रैल में फोर्ब्स बिलियनेयर (मानक अनुसार जिसकी कुल संपत्ति कम से कम 1 बिलियन अमेरिकी डॉलर

यानि 8,300 करोड़ रुपये या उससे अधिक हो) लिस्ट 2025 की सूची जारी हुई थी। उस समय सावित्री जिंदल की कुल संपत्ति 35.5 बिलियन डॉलर थी। यानि 6 महीने में सावित्री जिंदल की संपत्ति 4.1 बिलियन डॉलर बढ़ गई है, जबकि भारत के 100 सबसे अमीर लोगों की नेटवर्थ 9% गिरकर 1 ट्रिलियन



डॉलर यानि करीब 88 लाख करोड़

रुपए रह गई। पिछले साल उनकी नेटवर्थ 1.1 ट्रिलियन डॉलर यानि, करीब 97 लाख करोड़ रुपये थी। ऐसे में जिंदल समूह लगातार आगे बढ़ रहा है। सावित्री जिंदल हिसार विधानसभा सीट से जीतकर विधायक बनी हैं। उनके बेटे उद्योगपति नवीन जिंदल कुरुक्षेत्र से भाजपा के सांसद हैं।

सावित्री जिंदल के 4 बेटों में बंटा है व्यवसाय: जिंदल समूह की

अध्यक्ष का साम्राज्य इस्पात, बिजली, सीमेंट और बुनियादी ढांचे के क्षेत्र में फैला हुआ है। कंपनी की स्थापना उनके दिवंगत पति ओम प्रकाश जिंदल ने की थी, जिनकी 2005 में एक हेलिकॉप्टर दुर्घटना में मृत्यु हो गई थी। उनकी मृत्यु के बाद, व्यवसाय उनके चार बेटों में बंट गया। उनके बेटे सज्जन जिंदल मुंबई स्थित जेएसडब्ल्यू स्टील, जेएसडब्ल्यू सीमेंट और

जेएसडब्ल्यू पेंट्स का नेतृत्व करते हैं। उन्होंने 2023 में जेएसडब्ल्यू इन्फ्रास्ट्रक्चर को सार्वजनिक किया। 2024 में, उन्होंने चीन की एसएआईसी मोटर की सहायक कंपनी एमजी मोटर इंडिया में 35 प्रतिशत हिस्सेदारी हासिल करके इलेक्ट्रिक वाहनों में विस्तार किया। नवीन जिंदल, जिंदल दिल्ली में स्टील एंड पावर का प्रबंधन करते हैं।

मोरी गेट में डीटीसी की इलेक्ट्रिक बस में लगी भीषण आग, धू-धू कर जली



नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में एक बार फिर बस में आग लगने की घटना सामने आई है। मोरी गेट के पास आज शुक्रवार को डीटीसी की इलेक्ट्रिक बस में अचानक से आग लग गई। आग लगने की सूचना दमकल विभाग को दी गई। दमकल विभाग की गाड़ियां मौके पर मौजूद हैं। आग को बुझाने का प्रयास किया जा रहा है।

इयूटी पर पहुंचे और अचानक जमीन पर गिरे, दिल्ली पुलिस के एएसआई को कोर्ट में हार्ट अटैक, कैमरे में कैद आखिरी पल



नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के तीस हजारि कोर्ट परिसर में इयूटी पर तैनात 50 वर्षीय एएसआई राजेश कुमार अचानक लड़खड़ाकर जमीन पर गिर पड़े।सहकर्मियों ने तुरंत अस्पताल पहुंचाया। लेकिन डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।एएसआई को जब हार्ट अटैक आया तो उस वक का सीसीटीवी फुटेज भी वायरल हो रहा है। फुटेज की शुरुआत में वे सामान्य दिखते हुए साथी से हाथ मिलाते हैं। फिर एस्केलेटर की ओर जाते समय अचानक बेलेस बिगड़ते ही गिरते नजर आते हैं। घटना से पुलिस विभाग में शोक की लहर है।

कोल्डिफ़ पर विवाद, दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री का निर्देश, डॉक्टर कफ सिरप न लिखे और मेडिकल स्टोर पर न बेचे



नई दिल्ली , एजेंसी। दिल्ली सरकार के स्वास्थ्य मंत्री डॉ पंकज कुमार सिंह ने लोकनायक अस्पताल का दौरा किया। उन्होंने इमरजेंसी आईसीयू और बाई का निरीक्षण किया। अस्पताल में सभी 80 वेंटिलेटर के फंक्शनल होने के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार के पास हर स्थिति से निपटने के लिए 222 वेंटिलेटर उपलब्ध है। पिछली सरकार ने पीएम केयर फंड के तहत मिले वेंटिलेटर का इस्तेमाल नहीं किया। जनवरी महीने तक दिल्ली सरकार के सभी अस्पताल में एमआरआई मशीन सुनिश्चित की जाएगी। लोकनायक अस्पताल में भी अतिरिक्त एमआरआई और सीटी स्कैन मशीन जनवरी तक उपलब्ध होगी। मंत्री ने कफ सिरप मामले पर कहा कि संबंधित कंपनी का कफ सिरप डॉक्टरों को न लिखने का परामर्श जारी कर दिया है साथ ही मेडिकल स्टोर को भी दवा की बिक्री न करने के निर्देश दिए हैं।

कारोबारी का 18.25 लाख रुपये लेकर फरार कर्मचारी गिरफ्तार



नई दिल्ली, एजेंसी। पश्चिमी जिले के मोती नगर इलाके में कारोबारी का एक भरोसेमंद कर्मचारी 18.25 लाख लेकर फरार हो गया जिसे मोती नगर थाना पुलिस ने गिरफ्तार कर उससे 17.65 लाख रुपये बरामद कर लिए। पुलिस के मुताबिक, अजय सतीजा ने शिकायत की थी कि संदीप कुमार सिंह (38) करीब 15 साल से मोतीनगर स्थित राम रोड इंडस्ट्रियल एरिया के उनके ऑफिस ‘केमिकल सेंटर’ में काम कर रहा था। उसे नकदी जमा कराने की जिम्मेदारी दी गई थी। 03 अक्टूबर को अजय सतीजा ने संदीप को 18,25,500 रुपये अपने भाई के अशोक विहार स्थित घर पहुंचाते को दिए थे लेकिन वह न तो वहां पहुंचा और न ही लौटकर आया। बाद में उसका मोबाइल भी स्विच ऑफ मिला।आरोपी भी इंदिरा जेजे कैप सेक्टर-तीन रोहिणी में रहता है। उस पर पहले से छह आपराधिक मामले दर्ज हैं। थाना मोती नगर में एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू की गई। टीम ने आरोपित की तलाश में फिरोजाबाद (उप्र) और हर्ष विहार (दिल्ली) में दबिश दी। इस दौरान सूचना मिली कि संदीप हर्ष विहार स्थित गगन सिनेमा के पास है। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर उसे गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में उसने बताया कि उसने अपने घर में रकम छिपा रखी है। पुलिस ने उसकी निशानदेही पर 17,65,500 नकद बरामद किए। पुलिस आरोपित से पूछताछ कर रही है।

स्मॉग का नया वार, फेफड़े नहीं. जोड़ों पर कर रहा हमला अर्थराइटिस के मामले अधिक गंभीर

दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली-एनसीआर की हवा अब केवल सांसों के लिए ही खतरनाक नहीं, बल्कि जोड़ों और हड्डियों को भी गहराई से प्रभावित करने लगी है। जहरीली हवा में घुला पीएम 2.5 प्रदूषक धीरे-धीरे रूमेटॉइड अर्थराइटिस जैसी गंभीर बीमारियों का प्रमुख कारक बनता जा रहा है। इंडियन रूमेटोलॉजी एसोसिएशन (आईआरए) के 40वें वार्षिक सम्मेलन इराकोन 2025 के पहले दिन बृहस्पतिवार को द्वारका स्थित यशोभूमि कन्वेंशन सेंटर में विशेषज्ञों ने इसका खुलासा किया। उन्होंने कहा कि दिल्ली की बिगड़ती वायु गुणवत्ता का रूमेटिक बीमारियों, विशेष रूप से रूमेटॉइड अर्थराइटिस के बढ़ते मामलों से सीधा संबंध है। यह सम्मेलन 9 से 12 अक्तूबर तक चलेगा। इसमें देशभर से रूमेटोलॉजिस्ट, स्वास्थ्य विशेषज्ञ और



शोधकर्ता शामिल हो रहे हैं। विशेषज्ञों ने चिंता जताई कि वायु प्रदूषण अब न केवल ध्वसन और हृदय संबंधी रोगों की वजह बन रहा है, बल्कि यह प्रतिक्षा प्रणाली को भी प्रभावित कर जोड़ों की बीमारियों को जन्म दे रहा है। यह चेतावनी

बीमारी है, जिसमें प्रतिरक्षा प्रणाली जोड़ों पर हमला करती है, जिससे दर्द, सूजन और दिव्यांगता होती है। इस दौरान एम्स की रूमेटोलॉजी प्रमुख डॉ. उमा कुमार ने चेतावनी दी कि प्रदूषित क्षेत्रों में रहने वाले लोगों में रूमेटॉइड आर्थराइटिस के मामले बढ़ रहे हैं, खासकर उनमें जिनका कोई आनुवंशिक इतिहास नहीं है। उन्होंने कहा कि प्रदूषक सूजन और ऑक्सीडेंटिव तनाव को बढ़ाते हैं, जिससे प्रतिरक्षा प्रणाली अतिसक्रिय हो जाती है। **अर्थराइटिस के मामले हो रहे अधिक गंभीर** : डॉ. राम मनोहर लोहिया अस्पताल के प्रोफेसर डॉ. पुलिन गुप्ता ने बताया कि प्रदूषित क्षेत्रों में रूमेटॉइड अर्थराइटिस के मामले न केवल बढ़ रहे हैं, बल्कि अधिक गंभीर भी हो रहे हैं। वहीं, एक निजी अस्पताल के रूमेटोलॉजिस्ट डॉ. बिमलेश धर

कोटला मुबारकपुर हत्या की गुथी सुलझी किसी अन्य युवक के साथ देखकर प्रेमी ने ही ली थी युवती की जान, गिरफ्तार

दिल्ली, एजेंसी। पूर्व प्रेमी के साथ फोटो देखकर एक बदमाश ने अपनी प्रेमिका की चाकू से वार कर हत्या कर दी। वारदात के बाद आरोपी ने पुलिस से बचने के लिए मौके पर लूटपाट का सीन बना दिया। आरोपी ने कमरे का सामान फैलाने के अलावा अपनी गर्लफ्रेंड का मोबाइल फोन भी ले लिया। आरोपी हरियाणा के हिसार में जाकर छुप गया। पुलिस ने कोटला मुबारकपुर में साक्षी गुरंग (25) की हत्या की गुथी सुलझाते हुए उसके प्रेमी को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान गांव धाना खुर्द, हांसी, हिसार, हरियाणा निवासी हिमांशु के रूप में हुई है। आरोपी ने खुलासा किया कि वह कुछ माह पूर्व साक्षी से जोधपुर, राजस्थान में मिला था। यहां दोनों के बीच संबंध भी बने। उसके बाद हिमांशु कई बार युवती से मिलने के लिए दिल्ली आने लगा। कई बार दोनों के बीच झगड़ा भी हुआ। उसके बाद हिमांशु उस पर नजर रखता रहा। वारदात को अंजाम देने से

कपड़े और चाकू का हैंडल समेत अन्य सबूत मिले। सीसीटीवी की जांच करते हुए टीम बाहरी दिल्ली से होते हुए हरियाणा के हांसी तक पहुंच गई। बाद में आरोपी को उसके गांव से दबोच लिया गया। आरोपी ने हत्या की बात स्वीकार कर ली। उसने बताया कि वह साक्षी के साथ किसी और युवक को देखकर गुस्से में था। वारदात के समय उसका साक्षी से झगड़ा हुआ। इस दौरान गुस्से में उसने धारदार हथियार से उसकी हत्या कर दी।

हरियाणा के गैंगस्टर्स से काफी प्रभावित है आरोपी: पुलिस को पता चला कि हिमांशु 10वीं कक्षा में फेल होने के बाद पढ़ाई छोड़ दी थी। उस पर 14 आपराधिक मामले दर्ज हैं। वह हरियाणा के कई बड़े गैंगस्टर्स से प्रभावित था। पढ़ाई छोड़ने के बाद वह धीरे-धीरे आपराधिक गतिविधियों में शामिल हो गया और घरों में चोरी और संधमारी जैसे छोटे-मोटे अपराध करने लगा।

महिला मित्र से लूट के विरोध पर दिल्ली में युवक की गला रेतकर हत्या, 5000 रुपये के लिए मारा चाकू

दिल्ली, एजेंसी। सीमापुरी स्थित दिलशाद गार्डन में बुधवार शाम चार लड़कों ने महिला मित्र से लूटपाट करने का विरोध करने पर एक युवक का गला रेत दिया। हमलावरों ने युवक के पेट और सीने में चाकू से वार किए। पीड़ित वीरेश राठौर (24) को उसके दोस्तों ने जीटीबी अस्पताल में भर्ती कराया जहां देर रात उसने दम तोड़ दिया। पुलिस ने युवती भावना (33) के बयान पर पहले हत्या के प्रयास और लूटपाट का मामला दर्ज किया था, बाद में इसे हत्या में दर्ज कर लिया। पुलिस को दिए बयान में भावना ने पुलिस को बताया कि चारों आरोपियों ने उससे मोबाइल, बैग और 10 हजार रुपये कैश लूट लिया। पुलिस ने बृहस्पतिवार को सीसीटीवी कैमरों की मदद से आरोपियों की पहचान की। पुलिस ने हत्या के मामले में दो नाबालिग समेत चार लड़कों को दबोच लिया। पकड़े गए आरोपियों की पहचान सुभाष (20) और विशाल (20) के रूप में हुई है।

पाकिस्तानी सेना ने ओरकजई हमले में शामिल 30 आतंकी मारे



रावलपिंडी, एजेंसी। पाकिस्तानी सेना की मीडिया शाखा इंटर सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) ने शुक्रवार को जारी वृत्ति में कहा कि सात अक्टूबर को खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के ओरकजई जिले में हुए हमले से जुड़े 30 आतंकवादियों को मार गिराया गया। इस हमले में दो अधिकारियों सहित 11 सैन्यकर्मी मारे गए थे। मीडिया शाखा ने कहा कि सुरक्षा बल इस जघन्य घटना ने शामिल आतंकवादियों की तलाश में चप्पा-चप्पा छान रहे हैं।इस आतंकी हमले के बाद सुरक्षा बलों ने खुफिया

जानकारी के आधार पर ओरकजई जिले के जमाल माया क्षेत्र में तलाशी अभियान शुरू किया है। इस दौरान भीषण गोलीबारी में 30 आतंकवादी मारे गए। आईएसपीआर ने कहा कि ओरकजई हमले में लेफ्टिनेंट कर्नल जुनैद तारिक और मेजर तैय्यब राहत समेत 11 सैन्यकर्मी शहीद हो गए थे।गृहमंत्री मोहसिन नकवी ने इस सफलता के लिए सुरक्षा बलों की सराहना की। नकवी ने कहा, आतंकवादियों के नापाक संस्त्रों को नाकाम करने में शहीद सुरक्षा बलों को श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं।

नेपाल की प्रधानमंत्री ने जेन जी की भावनाओं के पूरे सम्मान का दिया भरोसा



काठमांडू, (हिस.)। प्रधानमंत्री (पीएम) सुशोला कार्की ने जेन जी विद्रोह के एक महीना पूरा होने पर वीडियो संदेश जारी करते हुए कहा है कि जेन जी की भावनाओं का पूरा सम्मान किया जाएगा। यह वीडियो संदेश बीती देर रात जारी किया गया। पूर्व प्रधानमंत्री केपी ओली और गृहमंत्री रमेश लेखक की गिरफ्तारी की मांग कर रहे युवाओं की गिरफ्तारी के बाद सरकार की आलोचना के बीच प्रधानमंत्री कार्की ने देश के जेन जी समूह को यह आश्वासन दिया है।उन्होंने कहा कि वर्तमान सरकार जेन जी की भावनाओं का सम्मान करती है और उनकी मांग को पूरा करने का प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि सरकार जेन जी विद्रोह के दौरान मारे गए युवाओं को न्याय दिलाने के लिए हर आवश्यक कदम उठाएगी। प्रधानमंत्री कार्की ने अपने संबोधन में स्वीकार किया है कि पिछली सरकारों जेन जी की आवाज और चिंताओं पर ध्यान देने में विफल रही हैं। कार्की ने कहा है कि यह सरकार जेन जी की मांगों को

बलोचिस्तान में सात अक्टूबर को बलघाटर हमले में पाकिस्तानी सेना के 14 जवान मारे गए-बीएलएफ के विस्तृत बयान में दावा

क्रेटा (बलूचिस्तान), एजेंसी। बलोचिस्तान लिबरेशन फ्रंट (बीएलएफ) ने सात अक्टूबर को बलघाटर में पाकिस्तानी सेना के शिविर पर हमले पर विस्तृत बयान जारी किया है। बीएलएफ प्रवक्ता मेजर घोरम बलोच ने कहा कि लड़कों ने बलघाटर में पाकिस्तानी सेना की चौकी पर कब्जा कर लिया। 14 सैन्यकर्मियों को मार डाला और चार को घायल कर दिया। उनके हथियार और अन्य सैन्य उपकरण छीन लिए। आजादी के इस आंदोलन में उसकी कुबान यूनिट के प्रमुख अब्दुल्ला दियाार उर्फ सोगहत की जान चली गई। द बलोचिस्तान पोस्ट (पश्तो



भाषा) की रिपोर्ट के अनुसार, बलोच ने विस्तृत बयान नौ बीएलएफ प्रवक्ता मेजर घोरम

बलघाटर क्षेत्र में चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे पर कब्जे वाली पाकिस्तानी सेना की एक चौकी पर हमला किया। भारी हथियारों से किया गया एक बड़ा हमला तीन घंटे से ज्यादा समय तक जारी रहा। लड़कों ने चौकी पर सफलतापूर्वक कब्जा कर लिया और हथियार व अन्य सैन्य उपकरण अपने कब्जे में ले लिए। इस संगठित हमले में पाकिस्तान सेना के 14 सैनिक मारे गए और चार गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्होंने बताया कि चौकी पर कब्जे के बाद सेना के त्वरित प्रतिक्रिया बल के चार वाहनों को

पंजगुर से हमला स्थल पर बलों की मदद के लिए भेजा गया। लड़कों ने त्वरित प्रतिक्रिया बल पर घात लगाकर हमला कर दिया और सभी को पीछे हटने पर मजबूर कर दिया। लड़कों ने दो क्राइकोप्टर और एक ड्रोन कैमरा भी मार गिराया गया। प्रवक्ता ने कहा कि बलोचिस्तान में बलात कब्जा करने वाली पाकिस्तान की सेना मनोवैज्ञानिक रूप से इतनी पराजित हो चुकी है कि वह अपने मृत सैनिकों को स्वीकार करने को तैयार नहीं है। उन्होंने कहा कि फट इस हमले की जिम्मेदारी को स्वीकार करता है।

वयोश्री एवं एडिप योजना के अंतर्गत एलिम्को द्वारा सहायक उपकरण चिह्नांकन शिविरों का सफल समापन

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। कलेक्टर स्वरोचित सोमवंशी के निर्देशन एवं अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी धनंजय मिश्रा के मार्गदर्शन में जनपद पंचायत सीधी सभागार में शुक्रवार को वयोश्री योजना एवं एडिप योजना अंतर्गत एलिम्को जबलपुर द्वारा आयोजित सहायक उपकरण चिह्नांकन शिविरों की श्रृंखला का अंतिम शिविर सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस अवसर पर मुख्य अतिथि धर्मेन्द्र सिंह, अध्यक्ष जनपद पंचायत सीधी रहे। उन्होंने कहा कि शासन की यह योजनाएँ वास्तव में उन लोगों के जीवन में नई रोशनी ला रही हैं जिन्हें सहायता की सबसे अधिक आवश्यकता है। शिविर का संचालन सीईओ जनपद पंचायत सीधी सी. एल.



पनिका और सामाजिक सुरक्षा अधिकारी सूरज सिंह के कुशल मार्गदर्शन में किया गया। शिविर में कुल 116 लाभार्थियों का चिह्नांकन किया गया, जिनमें वयोश्री योजना अंतर्गत 63 वरिष्ठ नागरिक और एडिप

योजना अंतर्गत 53 दिव्यांगजन शामिल रहे। कार्यक्रम में जिला दिव्यांग पुनर्वास केन्द्र सीधी से डॉ. दीपक त्रिपाठी, ट्रांसडिसिप्लिनरी विशेष शिक्षक शिवांशु शुक्ला, सहायक ग्रेड-3 प्रभात शुक्ला, नम्रता मिश्रा,



चिह्नांकन किया जा चुका है। इन शिविरों ने न केवल जरूरतमंदों को सहायता उपकरण प्रदान करने का मार्ग प्रशस्त किया है, बल्कि समाज में समावेश और संवेदनशीलता की प्रेरणादायक मिसाल भी प्रस्तुत की है। वरिष्ठ नागरिकों और दिव्यांगजनों ने शासन की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि यह योजना आत्मनिर्भरता और गरिमा से जीवन जीने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफएक्सीलेंस सीधी में विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस संजय गांधी स्मृति शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय सीधी में मध्यप्रदेश शासन उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार एवं महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. पी. के. सिंह के कुशल निर्देशन में विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम भारतीय ज्ञान परंपरा प्रकोष्ठ के त्रैमासिक कैलेंडर के अंतर्गत संपन्न हुआ। कार्यक्रम में विषय विशेषज्ञ के रूप में डॉ. रवि शंकर पटेल मानसिक रोग विशेषज्ञ जिला चिकित्सालय सीधी उपस्थित रहे। उन्होंने विभिन्न मानसिक

रोगों के लक्षणों, कारणों और उपचार के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए बताया कि नागरिक शासकीय योजनाओं का लाभ उठाकर निःशुल्क परामर्श एवं उपचार प्राप्त कर सकते हैं। प्राचार्य डॉ. पी. के. सिंह ने अपने उद्बोधन में कहा कि मानसिक स्वास्थ्य आज के समाज की एक बड़ी चुनौती बन चुका है। इस तरह के आयोजनों के माध्यम से लोगों में मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने और सकारात्मक सोच विकसित करने का प्रयास किया जाता है। विभागाध्यक्ष डॉ. के. एस. नेताम ने कहा कि ऐसे कार्यक्रम समाज की गंभीर समस्याओं पर विमर्श का अवसर प्रदान करते हैं।

दो झोलाछाप डॉक्टरों पर एफआईआर, मेडिकल स्टोर की आड़ में चल रही थी क्लिनिक; कई संचालक फरार

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जहरीली सिरप से बच्चों की मौत के बाद स्वास्थ्य विभाग ने अवैध झोलाछाप डॉक्टरों और मेडिकल स्टोर संचालकों के खिलाफ सघन जांच अभियान शुरू किया है। इसी क्रम में सीधी जिले के सिहावल विकासखंड में स्वास्थ्य और राजस्व विभाग की संयुक्त टीम ने शुक्रवार दोपहर कड़ीयार, सोनवर्षा, पहाड़ी और हटवा बरहा टोला क्षेत्रों में छापामार कार्रवाई की। इस कार्रवाई के दौरान कई मेडिकल संचालक और झोलाछाप डॉक्टर प्रशासनिक टीम की भनक लगते ही अपनी दुकानें बंद कर मौके से फरार हो गए। जिन दुकानों



को बंद पाया गया, उन पर अधिकारियों ने नोटिस चस्पा कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। **इन पर एक्शन लिया:** ब्लॉक मेडिकल ऑफिसर डॉ.

खिलाफ मरीजों का अवैध इलाज करने के आरोप में एफआईआर दर्ज करने की प्रक्रिया शुरू की गई है। इन पर मेडिकल स्टोर की आड़ में उपचार करने का आरोप है।

एक्सपायरी दवा भी मिली: हटवा बरहा टोला स्थित देवेंद्र-संजय मेडिकल स्टोर में भी बड़ी मात्रा में एक्सपायरी दवायें पाई गईं। डॉ. पटेल ने संचालक को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा कि भविष्य में ऐसी दवाएँ मिलने पर वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। इस कार्रवाई में नायब तहसीलदार दिनेश तिवारी, स्वास्थ्य विभाग की टीम और राजस्व अमले के अधिकारी शामिल थे।

एक्स गर्लफ्रेंड की ब्लैकमेलिंग से परेशान युवक ने दी जान, युवती के पिता-भाई 5 लाख मांग रहे थे; रेप केस करने की धमकी दी

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। एक्स गर्लफ्रेंड और उसके पिता-भाई की ब्लैकमेलिंग से तंग आकर युवक ने सुसाइड कर लिया। उसने सुसाइड नोट भी छोड़ा है, जिसमें लिखा - मेरे मरने का कारण मेरी एक्स गर्लफ्रेंड सीमा केवट और उसका बॉयफ्रेंड सुरेश केवट है। सीमा के पिता और भाई मुझे धमकाते हैं कि 5 लाख रुपए नहीं देगा तो बेटी से कहकर रेप केस में फंसा दूँगे और जान से मार दूँगे। सीमा रुपए लेकर सुरेश से शादी करना चाहती थी। घटना शुक्रवार सुबह करीब 7 बजे कोतवाली थाना क्षेत्र के बलियारी इलाके की है। 20 वर्षीय प्रेम कुमार शाह ने फांसी लगा ली।



थाने के सामने शव रखकर प्रदर्शन: प्रेम के सुसाइड से आक्रोशित परिजनों ने आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग करते हुए कोतवाली थाने के सामने शव रखकर हंगामा कर दिया। परिजन आरोपियों पर एफआईआर और गिरफ्तारी की मांग पर अड़े रहे। परिजन का कहना है कि जैसी कार्रवाई लड़कों के साथ की जाती है, वही लड़की के साथ भी होना चाहिए। पुलिस ने मामले

की निष्पक्ष जांच और उचित कानूनी कार्रवाई का आश्वासन दिया है, जिसके बाद परिजन माने और शव को अंतिम संस्कार के लिए ले गए।

सुसाइड नोट की जांच करवाएगी पुलिस: एसपी पीएस परस्ते ने कहा, आत्महत्या से पहले युवक ने सुसाइड नोट छोड़ा है, जिसमें उसने लिखा है कि महिला मित्र और उसके परिजन लगातार उसे प्रताड़ित कर रहे थे। हमने पीड़ित परिवार को भरोसा दिया है कि मामले की निष्पक्ष जांच करेंगे। शव का अंतिम परीक्षण हो चुका है। सुसाइड नोट की राइटिंग एक्सपर्ट से जांच करवाएंगे।

आज के समय में प्रत्येक व्यक्ति को अपने मानसिक स्वास्थ्य के प्रति सजग रहना चाहिए : डॉ प्रजापति

शासकीय महाविद्यालय मड़वास में विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस पर परामर्श सत्र आयोजित

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर मध्यप्रदेश उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार शासकीय महाविद्यालय मड़वास में वर्तमान संदर्भ में मानसिक स्वास्थ्य का महत्व विषय पर परामर्श सत्र का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम भारतीय ज्ञान परंपरा प्रकोष्ठ के तत्वावधान में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. आई. पी. प्रजापति की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन कर किया गया। कार्यक्रम का संचालन एवं विषय की भूमिका भारतीय ज्ञान



परंपरा प्रकोष्ठ के नोडल अधिकारी डॉ. दीपक अग्निहोत्री ने प्रस्तुत की। परामर्श सत्र में मुख्य परामर्शदाता के रूप में शिव झरिया

कम्युनिटी हेल्थ ऑफिसर (शिकरा) उपस्थित रहे। उन्होंने युवाओं में पढ़ाई को लेकर उत्पन्न मानसिक दबाव से निपटने के

उपाय साझा किए और कहा कि सकारात्मक सोच और संवाद से हर मानसिक तनाव को दूर किया जा सकता है।

आह्वान किया कि मानसिक समस्याओं को छिपाने के बजाय समय पर विशेषज्ञ से परामर्श लें। सत्र के दौरान छात्र-छात्राओं ने अपने प्रश्न रखे जिनका उत्तर परामर्शदाताओं द्वारा विस्तारपूर्वक दिया गया। कार्यक्रम का आधार प्रदर्शन भारतीय ज्ञान परंपरा की सहायक नोडल अधिकारी डॉ. आकांक्षा मिश्रा ने किया। इस अवसर पर महाविद्यालय परिवार से डॉ. सुरेंद्र गुप्ता, डॉ. रामधारी जायसवाल, प्रो. राजेश पटेल, प्रो. प्रवीण कुमार, अनिल केवट सहित छात्र-छात्राएँ बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

चलते ट्रैलर के इंजन में लगी आग, फायर बिग्रेड ने आधे घंटे में आग पर पाया काबू; चालक सुरक्षित



मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। जिले के नौगढ़ इलाके में गुरुवार रात करीब 11 बजे एक चलते हुए ट्रैलर के इंजन में अचानक आग लग गई। चालक ने सूझबूझ दिखाते हुए तुरंत वाहन रोका और अपनी जान बचाई। घटना में कोई जनहानि नहीं हुई, हालांकि ट्रैलर का एक बड़ा हिस्सा जल गया। आग लगने के बाद इंजन से धुआं निकलते देख चालक सुरेश कुमार ने तुरंत ट्रैलर को सड़क किनारे रोका और सुरक्षित बाहर निकल आया। इस घटना का वीडियो किसी राहगीर ने बना लिया, जो अब सोशल मीडिया पर सामने आया है। प्रत्यक्षदर्शी अनिल प्रताप ने बताया कि वह बरगवां की तरफ जा रहे थे और उनकी

गाड़ी ट्रैलर के ठीक पीछे थी। उन्होंने बताया कि पहले उन्हें समझ नहीं आया, लेकिन बाद में एहसास हुआ कि सामने चल रहे ट्रैलर में आग लगी है। उन्होंने तुरंत ट्रैलर को ओवरटेक कर चालक को इशारा किया, जिसके बाद चालक को आग लगने का पता चला। तत्काल दमकल विभाग को सूचना दी गई। ट्रैलर में मौजूद फायर इक्विपमेंट से आग बुझाने का प्रयास किया गया, लेकिन आग इतनी तेजी से फैली कि इंजन का एक बड़ा हिस्सा जल गया। आधे घंटे बाद दमकल की एक गाड़ी मौके पर पहुंची और आग पर पूरी तरह काबू पाया। इस दौरान लगभग एक घंटे तक सड़क पर जाम की स्थिति बनी रही।

प्रेमिका से मिलने पहुंचा नशा तस्कर जायसवाल गिरफ्तार, पुलिस ने एक पिस्टल; 11 कारतूस और नकदी किए बरामद



मीडिया ऑडीटर, शहडोल (निप्र)। शहडोल कोतवाली पुलिस ने अपनी प्रेमिका से मिलने आए विंध्य क्षेत्र के नशा तस्कर रमेश जायसवाल को गिरफ्तार किया है। उसके पास से एक पिस्टल, 11 जिंदा कारतूस, 65 हजार रुपए नकद और नशे से जुड़ी संदिग्ध सामग्री बरामद हुई है। यह गिरफ्तारी नशे के खिलाफ चल रही प्रदेशव्यापी मुहिम के तहत एक बड़ी सफलता मानी जा रही है। **जायसवाल पर 11 केस दर्ज:** पुलिस को रमेश जायसवाल के अपनी प्रेमिका से मिलने शहडोल आने की सूचना मिली थी। यहां परिजनों से विवाद के बाद मामला थाने तक पहुंचा, जिसके बाद पुलिस ने कार्रवाई की। तलाशी के दौरान ये आपत्तिजनक सामग्री मिली। पुलिस के अनुसार, रमेश जायसवाल पर एनडीपीएस

एक्ट के तहत 11 से अधिक मामले दर्ज हैं। वह लंबे समय से नशे के कारोबार में सक्रिय था और सीधी जिले के खाड़ा गांव का निवासी है। रामपुर नैकिन, अमरपाटन और शहडोल सहित कई जिलों की पुलिस उसे तलाश रही थी। **तलाश में मिला सामान:** तलाशी के दौरान पुलिस ने उसके पास से 7.65 एमएम के पिस्टल, 11 जिंदा कारतूस, पांच मोबाइल फोन और नशे की सामग्री जब्त की। इसके अतिरिक्त, नशे के व्यापार में इस्तेमाल की जा रही एक लंगरी कार को भी जब्त किया गया है। पुलिस विभाग की कई टीमों उसे पकड़ने के लिए प्रयासरत थीं, और अंततः यह अभियान सफल रहा। यह गिरफ्तारी नशे के खिलाफ चल रही प्रदेशव्यापी मुहिम में एक महत्वपूर्ण कदम है, जिसका उद्देश्य समाज में नशीले पदार्थों के प्रसार को रोकना है।

प्रशासनिक अधिकारियों के साथ औषधि निरीक्षक ने मेडिकल स्टोरों में कफ सिरप की आकस्मिक जांच-पड़ताल की

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी के निर्देशानुसार तथा उपखंड अधिकारी राकेश शुक्ला के मार्गदर्शन में नायब तहसीलदार सी. पी. त्रिवेदी और औषधि निरीक्षक राधेश्याम खट्टी ने संयुक्त रूप से जिला मुख्यालय स्थित विभिन्न मेडिकल स्टोरों का आकस्मिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान टीम ने आशीष मेडिकल, विनय मेडिकल, सूरज मेडिकल और प्रताप मेडिकल (लालता चौक) का निरीक्षण कर दुकानों में रखी कफसिरप एवं अन्य दवाओं के भंडारण, क्रय-विक्रय रिकॉर्ड और दस्तावेजों की विस्तृत जांच की। प्रदेश शासन द्वारा जारी एडवाइजरी के अनुसार औषधि निरीक्षक द्वारा सात दवाओं के नमूने जांच हेतु लिए गए, जिन्हें राज्य औषधि प्रयोगशाला भोपाल भेजा जाएगा। निरीक्षण के दौरान दुकानों के संचालन से संबंधित अन्य वैधानिक प्रावधानों की भी



जांच की गई तथा औषधि निरीक्षक द्वारा इस संबंध में रिपोर्ट तैयार की गई है, जिसके आधार पर आवश्यकतानुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी। इस दौरान आर्यन मेडिकल स्टोर के संचालक द्वारा निरीक्षण टीम को देखकर तत्काल दुकान बंद कर दी गई। उक्त दुकान को आगामी आदेश तक बंद रखने का नोटिस चस्पा कर दिया गया है। औषधि निरीक्षक ने बताया कि जिले के सभी मेडिकल स्टोरों पर लगातार निगरानी रखी जा रही है। यदि किसी भी दुकान में प्रतिबंधित, अमानक या एक्सपायरी दवाएँ पाई जाती हैं अथवा नियमों का उल्लंघन करते हुए दुकान संचालन पाया जाता है, तो संबंधित संचालक के विरुद्ध कठोर कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

सोना लगातार महंगा होगा

त्योहारों और शадियों का मौसम है। आपकी बेटी की शादी होनी है और आप कुछ सोने के आभूषण बनवाने पर सोच रहे होंगे, लेकिन बजट अनुमति नहीं देता, क्योंकि सोना आम आदमी के बजट से बाहर होता जा रहा है। दरअसल 10 ग्राम सोने के दाम 1.22 लाख रुपए तक पहुंच चुके हैं और चांदी भी 1.5 लाख रुपए के पार चली गई है। आम आदमी बेटी को सोना कैसे दे सकता है? इधर एक बहस आरंभ हुई है कि सोने का बहिष्कार कर देना चाहिए। बेटी के लिए सोने का विकल्प

सोचना चाहिए, लेकिन सोने के बाजार की हकीकत बिल्कुल अलग है। वहां आम आदमी का अस्तित्व ही नहीं है। ‘वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल’ का मानना है कि सोने में अब भी उतना निवेश नहीं हो रहा, जितना होना चाहिए। वैश्विक निजी निवेश में सोने की हिस्सेदारी मात्र 1-2 फीसदी ही है, जबकि केंद्रीय बैंकों में सोने का रिजर्व 10-20 फीसदी के बीच रहा है। फिर भी यह दिलचस्प और हैरान करने वाला तथ्य है कि 2022 की दीपावली के बाद से सोने की कीमतें लगातार बढ़

रही हैं। विशेषज्ञों के आकलन हैं कि 2026 की दीपावली तक सोने के दाम 23 फीसदी और बढ़ सकते हैं। सोना 1.45 लाख और 1.50 लाख रुपए प्रति 10 ग्राम तक उछल सकता है, क्योंकि बढ़े निवेशक और दुनिया भर के केंद्रीय बैंक सोने में लगातार निवेश कर रहे हैं। चीन का पीपुल्स बैंक ऑफ चाइना सितंबर में लगातार 11वें महीने सोने

का शुद्ध खरीददार रहा है। यह डॉलर पर निर्भरता कम करने की चीन की रणनीति का हिस्सा है। 2025 में अभी तक घरेलू बाजार में सोने का रिटर्न करीब 60 फीसदी रहा है, जबकि अंतरराष्ट्रीय बाजार में यह रिटर्न करीब 53 फीसदी रहा है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने के दाम 4890-5000 डॉलर प्रति आउंस हैं। एक आउंस 28.3 ग्राम के बराबर है।

सोच लीजिए, सोना कितने आसमानों को छू रहा है। उसके बाजार को आम आदमी और उसकी बेटी की कोई चिंता नहीं है, क्योंकि आम आदमी का निवेश ‘नगण्य’ है। ‘गोल्ड ईटीएफ’ में भी इस साल अभी तक 17 फीसदी निवेश बढ़ चुका है। सितंबर में ‘गोल्ड ईटीएफ’ में 1.53 लाख करोड़ रुपए का निवेश हुआ, जोकि एक माह में सबसे अधिक है। अंतरराष्ट्रीय, अमरीकी बाजार में कभी सोने के दाम 20.7 डॉलर थे। 1834-1934 के बीच

सोने के दाम धीरे-धीरे बढ़े और 35 डॉलर के दाम लगातार 34 साल तक स्थिर रहे। अब मौजूदा दौर में सोना इतना महंगा और अनिवार्य हो गया है कि देशों की अर्थव्यवस्था की बुनियाद है, लेकिन आम आदमी के लिए मुसीबत, परेशानी का प्रतीक बन गया है। दरअसल सोने के दाम अमरीका से ही शुरू होते हैं, क्योंकि अंतरराष्ट्रीय कारोबार डॉलर में ही होता है। जनवरी, 2025 में जब ट्रंप ने अमरीकी राष्ट्रपति पद की शपथ ली थी, तो सोना 2700 डॉलर प्रति आउंस था।

सेवा में कमी पर विमान

कपनियों से मिल सकता है मुआवजा!

(डॉ श्रीगोपाल नारसन)

हवाई यात्रा के दौरान सेवा में कमी के लिए एलायंस एयर एविएशन लिमिटेड पर 50 हजार का जुर्माना उपभोक्ता आयोग ने लगाया है,क्योंकि उड़ान के प्रस्थान में छह घंटे की देरी से यात्रियों को मानसिक पीड़ा झेलनी पड़ी थी।नई दिल्ली के एक उपभोक्ता आयोग अध्यक्ष सुरेश कुमार गुप्ता और सदस्य हर्षाली कौर ने दो महिला उपभोक्ताओं की ओर से दायर एक शिकायत पर सुनवाई करते हुए यह फैसला सुनाया है। उपभोक्ता आयोग ने अपने आदेश में कहा कि रिकॉर्ड में ऐसा कुछ भी नहीं है कि देरी एलायंस एयर के नियंत्रण से परे कारणों से हुई हो। उड़ान में देरी लगभग छह घंटे की थी। शिकायतकर्ता महिलाओं सहित यात्रियों को देरी के बारे में जानकारी नहीं दी गई थी। जिसपर उपभोक्ता आयोग ने विधिक व्यवस्था देते हुए अपने आदेश में कहा गया कि एयरलाइन को यात्रियों को जलपान उपलब्ध कराना चाहिए था। लेकिन यात्रियों को पानी तक नहीं दिया गया। विमान के रखरखाव में विमान कम्पनी की ओर से लापरवाही बरती गई थी ,साथ ही प्रस्थान के लिए यात्रियों का लंबा इंतजार मानसिक यातना के समान था।अगर एयरलाइन की लापरवाही से उपभोक्ता को कोई नुकसान होता है, जैसे सामान का खोना, देर से पहुंचना, या अन्य कोई सेवा में कोई कमी की गई हो, तो पीड़ित उपभोक्ता, उपभोक्ता संरक्षण कानून के तहत उपभोक्ता आयोग में शिकायत दर्ज करा सकते हैं। उपभोक्ता संरक्षण कानून, 2019 के तहत राष्ट्रीय, राज्य और जिला स्तर पर उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग काम कर रहा है, जहाँ उपभोक्ता शिकायत दायर कर सकते हैं। इसके लिए राष्ट्रीय उपभोक्ता हेल्पलाइन के पोर्टल पर भी शिकायत दर्ज कर सकते हैं। अगर एयरलाइन की लापरवाही से उपभोक्ता का सामान खो जाता है या देर से पहुंचता है, तो भी उपभोक्ता द्वारा शिकायत की जा सकती है। एयरलाइन की गलती के कारण हुए किसी भी अन्य प्रकार के मानसिक उखीड़न या वित्तीय नुकसान के लिए भी शिकायत की जा सकती है। लेकिन यदि उड़ान रद्दीकरण या देरी को टाला नहीं जा सकता था, तो एयरलाइन को किसी भी उपभोक्ता को मुआवजा देने की आवश्यकता नहीं है,जैसे यदि मौसम बहुत खराब है और हवाई यातायात नियंत्रण कहता है कि विमान उड़ान नहीं भर सकता,तो उड़ान रद्द होने पर भी उपभोक्ता मुआवजा पाने के हकदार नहीं होंगे।

साथ ही यदि अनिवार्य सरकारी आदेश के तहत युद्ध या अन्य कारणों से कोई उड़ान रद्द हो जाती है, तो एयरलाइनें उपभोक्ता की यात्रा जारी रखने के लिए कोई समाधान या वैकल्पिक योजना प्रदान करने के लिए जिम्मेदार नहीं हैं। इसी तरह के एक अन्य मामले में दिल्ली के एक उपभोक्ता आयोग ने इंडिगो एयरलाइन को सेवा में कमी का दोषी ठहराया है। यह मामला एक महिला को गंदे और दागदार सीट पर बैठने के कारण हुई परेशानी से जुड़ा है। आयोग ने एयरलाइन को 1लाख 5 हजार रुपये का मुआवजा देने का निर्देश दिया है, ताकि उस महिला को हुई असुविधा, दर्द और मानसिक पीड़ा की भरपाई की जा सके।पिंकी नाम की महिला उपभोक्ता की शिकायत पर यह फैसला सुनाया गया है। पिंकी ने बताया कि दो जनवरी को बाकू से नई दिल्ली की उड़ान में उन्हें एक अस्वच्छ, गंदी और दागदार सीट दी गई थी। पिंकी ने यह भी आरोप लगाया कि जब उन्होंने इस बारे में शिकायत की, तो एयरलाइन ने इसे हल्के में लिया और असंवेदनशील तरीके से बात को टाल दिया।

नई दिल्ली जिला उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग ने पिंकी नाम की महिला की शिकायत पर यह फैसला सुनाया। पिंकी ने बताया कि दो जनवरी 2025 को बाकू से नई दिल्ली की उड़ान में उन्हें एक अस्वच्छ, गंदी और दागदार सीट दी गई थी। पिंकी ने यह भी आरोप लगाया कि जब उन्होंने इस बारे में शिकायत की, तो एयरलाइन ने इसे हल्के में लिया और असंवेदनशील तरीके से बात को टाल दिया। जिसपर उपभोक्ता को उपभोक्ता आयोग में जाकर न्याय की गुहार लगानी पड़ी।सुनवाई के दौरान एयरलाइन ने जवाब में कहा कि उन्होंने पिंकी की परेशानी को गंभीरता से लिया और उन्हें दूसरी सीट दी, जिस पर बैठकर उन्होंने अपनी यात्रा पूरी की। नौ जुलाई 2025 को दिए गए आदेश में उपभोक्ता आयोग ने कहा, हम मानते हैं कि इंडिगो सेवा में कमी का दोषी है।



अंतर्राष्ट्रीय बालिका दिवस संयुक्त राष्ट्र द्वारा घोषित एक अंतर्राष्ट्रीय पालन दिवस है।

11 अक्टूबर 2012 को पहली बार बालिका दिवस मनाया गया था। तब से हर वर्ष 11 अक्टूबर को पूरी दुनिया में अंतर्राष्ट्रीय बालिका दिवस मनाया जाता है। अंतर्राष्ट्रीय बालिका दिवस दुनिया भर में लड़कियाँ द्वारा उनके लिंग के आधार पर सामना की जाने वाली लैंगिक असमानता के बारे में जागरूकता बढ़ाता है। इस असमानता में शिक्षा, पोषण, कानूनी अधिकार, चिकित्सा देखभाल और भेदभाव से सुरक्षा, महिलाओं के खिलाफ हिंसा और जबरन बाल विवाह जैसे क्षेत्र शामिल हैं।

अंतर्राष्ट्रीय बालिका दिवस 2025 की थीम है मैं लड़की हूँ, मैं बदलाव का नेतृत्व करती हूं। संकट की अग्रिम पंक्ति में लड़कियों की दृढ़ता, नेतृत्व और सशक्त भूमिका पर केंद्रित है। यह थीम उन चुनौतियों पर प्रकाश डालती है जिनका सामना बालिकाएं करती हैं। जैसे संघर्ष, जलवायु परिवर्तन और असमानताएं। यह थीम बालिकाओं को केवल संकट के शिकार के रूप में नहीं बल्कि परिवर्तन के वाहक के रूप में पहचानने पर जोर देती है। यह थीम शिक्षा, स्वास्थ्य और सुरक्षा में निवेश का आह्वान करती है ताकि वे बेहतर और समावेशी दुनिया की निर्माण कर सकें।

आज हर क्षेत्र में बालिकाओं के आगे बढ़ने के बावजूद भी वह अनेकों कुरीतियों की शिकार हैं। ये कुरीतियों उनके आगे बढ़ने में बाधाएं उत्पन्न करती हैं। पढ़े-लिखे लोग और जागरूक समाज भी इस समस्या से अछूता नहीं है। देश में आज भी प्रतिवर्ष लाखों लड़कियों को जन्म लेने से पहले ही कोख में मार दिया जाता है। आज भी समाज के अनेक घरों में बेटा, बेटी में भेद किया जाता है। बेटियों को बेटों की तरह अच्छा खाना और अच्छी शिक्षा नहीं दी जाती है। समाज में आज भी बेटियों को बोझ समझा जाता है।

भारत में हर साल तीन से सात लाख कन्या भ्रूण नष्ट कर दिये जाते हैं। इसलिए यहां महिलाओं से पुरुषो की संख्या 5 करोड़ ज्यादा है। समाज में निरंतर परिवर्तन और कार्य बल में महिलाओं की बढ़ती भूमिका के बावजूद रूढ़िवादी विचारधारा के लोग मानते हैं कि बेटा बुढ़ापे का सहारा होगा और बेटी हुई तो वह अपने घर चली जायेगी। बेटा अगर मुख्याग्नि नहीं देगा तो कर्मकांड पूरा नहीं होगा।

पिछले कुछ वर्षों में देश में जन्म के समय लिंगानुपात में बढ़ोतरी होना शुभ संकेत हैं। संसद में एक सवाल का जवाब में महिला एवं बाल विकास मंत्री ने बताया था कि बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना ने बालिकाओं के अधिकारों को स्वीकार करने के लिए जनता की मानसिकता को बदलने की दिशा में सामूहिक चेतना जगाई है। यह राष्ट्रीय स्तर पर जन्म के समय लिंग अनुपात (एसआरबी) में 12 अंकों के सुधार के रूप में परिलक्षित होता है। जो कि 2014 में 918 था। जबकि 2023-24 में 12 अंक बढ़कर 930 हो गया।

हमारे देश में यह एक बड़ी विडंबना है कि हम बालिका का पूजन तो करते हैं। लेकिन जब हमारे खुद के साथ समुद्री सीमाओं के सफल समाधान के बिल्कुल विपरीत है। श्रीलंका के साथ 1974 और 1976 में द्विपक्षीय समझौतों पर हस्ताक्षर किए गए, जिसमें मालदीव के साथ त्रिबिंदु से लेकर पाक स्ट्रेट, पाक खाड़ी और मन्नार की खाड़ी में 200 समुद्री मील की सीमा तक फैली 288 किलोमीटर की समुद्री सीमा स्थापित की गई। बांग्लादेश के साथ दशकों की असफल बातचीत के बावजूद विवाद अंततः संयुक्त राष्ट्र सामुद्रिक कानूनों के तहत अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थता के माध्यम से हल किया गया। 2014 में स्थायी मध्यस्थता न्यायालय ने बंगाल की खाड़ी में विवादित 25,602 वर्ग किलोमीटर में से 19,467 वर्ग किलोमीटर बांग्लादेश को प्रदान किया। भारत और बांग्लादेश ने इस बाध्यकारी निर्णय को स्वीकार किया और इसे द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने के अवसर के रूप में उपयोग किया। ये उदाहरण दर्शाते हैं कि जब राजनीतिक इच्छाशक्ति हो तब समुद्री सीमा विवादों का शांतिपूर्ण समाधान बातचीत या मध्यस्थता के माध्यम से संभव है।

संपादकीय

रिटर्न करीब 53 फीसदी रहा है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने के दाम 4890-5000 डॉलर प्रति आउंस हैं। एक आउंस 28.3 ग्राम के बराबर है।

समाज में परिवर्तन की वाहक बने बालिकाएं

(11 अक्टूबर अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस)



घर बालिका जन्म लेती है तो हम दुखी हो जाते हैं। देश में सभी जगह ऐसा देखा जा सकता है। देश के कई प्रदेशों में तो बालिकाओं के जन्म को अभिशाप तक माना जाता है। लेकिन बालिकाओं को अभिशाप मानने वाले लोग यह क्यों भूल जाते हैं कि वह उस देश के नागरिक हैं जहां रानी लक्ष्मीबाई जैसी विरांगनाओं ने देश के लिए अपने प्राण न्यौछावर कर दिए थे। हमारे यहां आज भी बेटी पैदा होते ही उसकी परवरिश से ज्यादा उसकी शादी की चिन्ता होने लगती है। आज महंगी शादी शान्दियों के कारण बेटी का बाप हर समय इस बात को लेकर चिंतित नजर आता है कि उसकी बेटी को शादी की व्यवस्था कैसे होगी। समाज में व्यास इसी सोच के चलते कन्या भ्रूण हत्या पर रोक नहीं लग पायी है। कोख में कन्याओ को मार देने के कारण समाज में आज लड़कियों की काफी कमी होने से लिंगानुपात गड़बड़ा गया है।

अगर समाज में बेटियों को उचित शिक्षा और सम्मान मिले तो बेटियां किसी भी क्षेत्र में पीछे नहीं रहेगी। इसलिए यदि यह कहा जाय की बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना नही हम सबकी एक जिम्मेदारी है तो इसमें कुछ गलत नही है। यदि हम सभी एक अच्छे समाज का निर्माण करना चाहते है तो हम सबका यही फर्ज बनता है हम बेटियों को भी भयमुक्त वातावरण में पढाये। उन्हें इतना सशक्त बनाये की खुद गर्व से कह सके की देखो वह हमारी बेटी है जो इतना बड़ा काम कर रही है।आज लड़किया लड़को से किसी भी क्षेत्र में कम नहीं हैं। कठिन से कठिन कार्य लड़किया सफलतापूर्वक कर रही हैं। देश में हर

क्षेत्र में महिला शक्ति को पूरी हिम्मत से काम करते देखा जा सकता है। लड़कियों ने अपने काम और समर्पण के दम पर कई क्षेत्रों और क्षेत्रों में खुद को साबित किया है। वे अधिक प्रतिभाशाली, आज्ञाकारी, मेहनती और परिवार और अपने जीवन के लिए जिम्मेदार हैं। लड़कियां अपने परिवार और माता-पिता के प्रति अधिक देखभाल करने वाली और प्यार करने वाली होती हैं और वे हर काम में अपना सर्वश्रेष्ठ योगदान देती हैं। देश की अर्थव्यवस्था में भी महिलाओं का अहम योगदान है। वे श्रम शक्ति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं और महत्वसायों की वृद्धि और विकास में योगदान देती हैं।

एक तरफ जहां बेटी को जन्मते ही मरने के लिये लावारिश छोड़ दिया जाता है। वहीं झुंझुनू जिले की मोहना सिंह जैसी बालिकायें भी है जो आज देश में फाईटर प्लेन उड़ा कर पूरे देश में जिले का मान बढ़ा रही हैं। समाज में सभी को मिलकर लड़का-लड़की में भेद नहीं करने व समाज के लोगों को लिंग समानता के बारे में जागरूक करने की प्रतिज्ञा लेनी चाहिए। देश में बालिकाओं के साथ हर दिन बलात्कार, प्रताड़ना की घटनायें अखबारो की सुर्खिया बनती हैं। बालिकायें कही भी अपने को सुरक्षित नहीं समझती हैं। चाहे घर हो या स्कूल अथवा कार्य स्थल। हर जगह वहरशी भेड़िये उन पर नज़रे गड़ाये रहते हैं। उन्हें जब भी मौका मिलता है नोच डालते हैं। ऐसे माहौल में देश की बालिकायें कैसे आगे बढ़ पायेंगी।

समाज के पढ़े लिखे लोगों को आगे आकर कन्या भ्रूण हत्या जैसे घिनोने कार्य को रोकने का माहौल

बनाना होगा। ऐसा करने वाले लोगों को समझा कर उनकी सोच में बदलाव लाना होगा। लोगों को इस बात का संकल्प लेना होगा कि ना तो गर्भ में कन्या की हत्या करेंगे ना ही किसी को करने देंगे। तभी देश में कन्या भ्रूण हत्या पर रोक लग पाना संभव हो पायेगा। सरकार व समाज को मिलकर ऐसे वातावरण का निर्माण करने का प्रयास करना चाहिये जिसमें बालिकायें खुद को महफूज समझ सकें। समाज और राष्ट्र के विकास के लिए बालिकाओं के महत्व को स्वीकार करना और बढ़ावा देना आवश्यक है।हम सभी जानते हैं कि एक लड़की समाज के लिए कितनी महत्वपूर्ण है। वह एक मा, एक बेटी, एक पत्नी इस तरह कई महत्वपूर्ण भूमिकाएं निभाती है। उसे घर की शांति बनाए रखने वाली स्तंभ माना जाता है और फिर भी उसका अपमान किया जाता है। स्त्रियां ही संतति की परम्परा में मुख्य भूमिका निभाती है फिर भी प्राचीन समाज से लेकर आधुनिक कहे जाने वाले समाज तक स्त्रियां उपेक्षित ही रही है।

हमारे समाज का भविष्य इस बात पर निर्भर करता है कि हम आज अपनी बच्चियों के साथ कैसा व्यवहार करते हैं और उन्हें कितना महत्व देते हैं। शिक्षा, स्वास्थ्य देखभाल, कानूनी सुरक्षा और सामाजिक सशक्तिकरण के माध्यम से बालिकाओं को सशक्त बनाना न केवल एक नैतिक दायित्व है बल्कि सामाजिक विकास के लिए एक जरूरी आवश्यकता भी है। हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि लड़कियों को आगे बढ़ने, सीखने के समान अवसर मिले। तभी हम एक संतुलित, न्यायसंगत और समृद्ध समाज बना सकेंगे।

सर क्रीक को लेकर सचेत रहना होगा, रक्षा और घुसपैठ रोकने के लिए आवश्यक

सर क्रीक पर भारत की

सीमाओं की दृढ़ता यह संदेश देती है कि राष्ट्रहित सर्वोपरि है और हर इंच भूमि की सुरक्षा के लिए भारत प्रतिबद्ध है।

पाकिस्तान यदि नए सिरे से राजनयिक पहल करे, आतंकवादियों को समर्थन बंद कर दे और अपने शब्दों और कर्मों में ईमानदारी दिखाए तो सर क्रीक विवाद का समाधान निकल सकता है।

डॉ. कृपा नौटियाल ।

सर क्रीक क्षेत्र भारत-पाकिस्तान संबंधों में एक बार फिर तनाव का किंद बन गया है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सर क्रीक में सैन्य जमावड़े को लेकर पाकिस्तान को चेतावनी दी है। यह एक 96 किलोमीटर लंबा ज्वारीय मुहाना है, जो गुजरात में कच्छ के रण को पाकिस्तान के सिंध प्रांत से अलग करता है। सर क्रीक विवाद की जड़ें 1908 से जुड़ी हैं, जब कच्छ और सिंध के शासकों के बीच क्षेत्रीय विभाजन को लेकर असहमति उत्पन्न हुई। बांबे प्रेसिडेंसी द्वारा 1914 में एक प्रस्ताव के जरिये मामले को सुलझाने का प्रयास किया गया, लेकिन उसने एक अस्पष्टता पैदा कर दी। प्रस्ताव के एक खंड में सुझाव दिया गया कि सीमा क्रीक के बाहरी किनारे की ओर स्थित है, जबकि दूसरे में अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लेख किया गया, जिसके अलग निहितार्थ थे। यह मुद्दा 1965 के सशस्त्र संघर्ष के बाद फिर से उभरा, जब पाकिस्तान ने कच्छ के रण के आधे हिस्से पर दावा किया। 1968 में एक अंतरराष्ट्रीय



न्यायाधिकरण ने रण के 90 प्रतिशत हिस्से पर भारत के दावे को बरकरार रखा, लेकिन सर क्रीक सीमा अनसुलझी रही। भारत का कहना है कि सीमा क्रीक के बीच से होकर गुजरती है, जबकि पाकिस्तान जोर देता है कि यह क्रीक के पूर्वी तट पर स्थित है। यह अंतर निर्धारित करता है कि समुद्री सीमा अरब सागर में कैसे फैली हुई है, जो संभावित हाइड्रोकार्बन भंडार, मछली पकड़ने के क्षेत्रों और दोनों देशों के विशेष आर्थिक क्षेत्रों में अरबों डॉलर के सामुद्रिक संसाधनों तक पहुंच को प्रभावित करता है।

साल 1989 से भारत और पाकिस्तान इस विवाद को सुलझाने के लिए ठोस प्रगति के बिना छह दौर की चर्चाएं कर चुके हैं। पाकिस्तान जोर देता है कि समुद्री सीमा के लिए आधार स्थापित करने के लिए पहले क्रीक में सीमा का सीमांकन किया जाना चाहिए, जो भूमि और समुद्री सीमा मुद्दों को जोड़ता है। वहीं भारत ने परिसीमन, सीमांकन का प्रस्ताव रखा, लेकिन तकनीकी कठिनाइयों और राजनीतिक अविश्वास ने कार्यान्वयन को रोक दिया है। यह भारत के अपने अन्य पड़ोसियों के

साथ समुद्री सीमाओं के सफल समाधान के बिल्कुल विपरीत है। श्रीलंका के साथ 1974 और 1976 में द्विपक्षीय समझौतों पर हस्ताक्षर किए गए, जिसमें मालदीव के साथ त्रिबिंदु से लेकर पाक स्ट्रेट, पाक खाड़ी और मन्नार की खाड़ी में 200 समुद्री मील की सीमा तक फैली 288 किलोमीटर की समुद्री सीमा स्थापित की गई। बांग्लादेश के साथ दशकों की असफल बातचीत के बावजूद विवाद अंततः संयुक्त राष्ट्र सामुद्रिक कानूनों के तहत अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थता के माध्यम से हल किया गया। 2014 में स्थायी मध्यस्थता न्यायालय ने बंगाल की खाड़ी में विवादित 25,602 वर्ग किलोमीटर में से 19,467 वर्ग किलोमीटर बांग्लादेश को प्रदान किया। भारत और बांग्लादेश ने इस बाध्यकारी निर्णय को स्वीकार किया और इसे द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने के अवसर के रूप में उपयोग किया। ये उदाहरण दर्शाते हैं कि जब राजनीतिक इच्छाशक्ति हो तब समुद्री सीमा विवादों का शांतिपूर्ण समाधान बातचीत या मध्यस्थता के माध्यम से संभव है।

सर क्रीक पर उठे विवाद को नए सिरे से 2019 के बाद के सैन्य गतिरोध और आपरेशन सिंदूर के व्यापक संदर्भ में समझा जाना चाहिए। भारत के नौसैनिक आधुनिकीकरण जैसे कि स्वदेशी विमानवाहक पोत, उन्नत पनडुब्बियां और बड़ी हुई तटीय निगरानी ने समुद्री शक्ति संतुलन को मूल रूप से बदल दिया है। पाकिस्तान इसके जरिये नौसैनिक रणनीति को तेज करना चाहता है। वह उन्नत पनडुब्बियां और जहाज-रोधी

मिसाइलों प्राप्त करने के लिए चीनी सैन्य सहायता का लाभ उठाना चाहता है। सर क्रीक क्षेत्र में पाकिस्तान की कोई भी दुस्साहसिक कार्रवाई उसे पड़ियों तक पछताने पर मजबूर कर सकती है। सर क्रीक क्षेत्र के अंतरराष्ट्रीय समुद्री सीमा रेखा के साथ नियमित गश्त भारतीय तटरक्षक बल और पाकिस्तान समुद्री सुरक्षा एजेंसी द्वारा संचालित की जाती है। ये गश्त एक दोहरे उद्देश्य की पूर्ति करती हैं। इससे दोनों देश विवादित जल पर नियंत्रण बनाए रखते हैं और दोनों देशों से मछली पकड़ने वाली नौकाओं द्वारा अंतरराष्ट्रीय समुद्री सीमा रेखा को अनजाने में पार करने से रोकते हैं। फिलहाल यह भारत की समुद्री सुरक्षा नीति का अहम हिस्सा बना हुआ है। सर क्रीक पर भारत की सीमाओं की दृढ़ता यह संदेश देती है कि राष्ट्रहित सर्वोपरि है और हर इंच भूमि की सुरक्षा के लिए भारत प्रतिबद्ध है। पाकिस्तान यदि नए सिरे से राजनयिक पहल करे, आतंकवादियों को समर्थन बंद कर दे और अपने शब्दों और कर्मों में ईमानदारी दिखाए तो सर क्रीक विवाद का समाधान निकल सकता है।

अतिथि व्याख्याता इतिहास के लिए आवेदन 22 अक्टूबर तक

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। शासकीय काव्योपाध्याय हीरालाल महाविद्यालय अभनपुर में शैक्षणिक सत्र 2025-2026 के लिए अतिथि व्याख्याता इतिहास के पद पर अध्यापन कार्य हेतु आवेदन पत्र आमंत्रित किया गया है। आवेदक अपने समस्त प्रमाण पत्र एवं आवश्यक दस्तावेज के साथ आवेदन, केवल रजिस्टर्ड डाक अथवा विशेष वाहक के माध्यम से 9 अक्टू से 22 अक्टूबर 2025 तक कार्यालयीन समय में प्रस्तुत कर सकता है। अतिथि व्याख्याता इतिहास के संबंध में विस्तृत जानकारी महाविद्यालय की Website : www.gkhca.in में उपलब्ध है। निर्धारित तिथि के पश्चात प्राप्त आवेदन पर विचार नहीं किया जाएगा।

चनियागांव एनीकट निर्माण कार्य हेतु 363.85 लाख की प्रशासकीय स्वीकृति

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। छत्तीसगढ़ शासन जल संसाधन विभाग द्वारा कोण्डगांव जिले के विकासखंड फरसगांव के चनियागांव एनीकट निर्माण कार्य हेतु तीन करोड़ तिरसठ लाख पचासी हजार रुपए की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है। यह स्वीकृति छत्तीसगढ़ शासन विा एवं योजना विभाग की समिति की दिनांक 23 जुलाई 2025 की अनुशंसा एवं माननीय मंत्री जी के अनुमोदन के पश्चात दी गई है। कि यदि कार्य की लागत या निविदा दरों में 10 प्रतिशत से अधिक वृद्धि होती है तो पुनरीक्षित प्रशासकीय स्वीकृति प्राप्त की जाए। कार्य की गुणवत्ता पर किसी भी स्तर पर कमी पाए जाने पर उत्तरदायित्व निर्धारण कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। कार्य निर्धारित समय में पूर्ण किया जाना अनिवार्य होगा और अनावश्यक समय वृद्धि नहीं दी जाएगी। इस योजना के पूर्ण होने पर क्षेत्र में जल उपलब्धता में सुधार होगा, सिंचाई क्षमता बढ़ेगी तथा किसानों को खरीफ फसल के लिए स्थायी जल सुविधा प्राप्त होगी, जिससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को बल मिलेगा।

लवन शाखा नहर अंतर्गत माइनर्स के जीर्णोद्धार कार्य हेतु 363.35 लाख की मिली स्वीकृति

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। छत्तीसगढ़ शासन जल संसाधन विभाग द्वारा बलौदाबाजार-भाटापारा जिले के विकासखंड पलारी की महानदी परियोजना अंतर्गत लवन शाखा नहर के तिलदा, करदा, लादा एवं सिरियाडीह माइनर के रीमार्डिंग, सी.सी. लाईनिंग तथा स्ट्रक्चर्स के जीर्णोद्धार कार्य हेतु तीन करोड़ तिरसठ लाख पैंतीस हजार रुपए की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है। यह स्वीकृति अद्यतन दर अनुसूची 08 अगस्त 2025 के आधार पर दी गई है। कार्य पूर्ण होने पर योजना की कुल सिंचाई क्षमता 642.35 हेक्टेयर होगी। स्वीकृति के साथ यह निर्देश दिए गए हैं कि कार्य निर्धारित समयावधि एवं स्वीकृत राशि में ही पूर्ण किया जाए, गुणवत्ता सुनिश्चित की जाए तथा सभी शासकीय नियमों और तकनीकी स्वीकृतियों का पालन अनिवार्य रूप से किया जाए। इस योजना से क्षेत्र की सिंचाई क्षमता में वृद्धि होगी तथा किसानों को बेहतर जल प्रबंधन सुविधा प्राप्त होगी।

हाईस्कूल एवं हायर सेकण्डरी मुख्य / अवसर परीक्षा नवम्बर 2025 की समय-सारिणी घोषित

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। छत्तीसगढ़ राज्य ओपन स्कूल, रायपुर द्वारा आयोजित हाईस्कूल एवं हायर सेकण्डरी मुख्य / अवसर परीक्षा नवम्बर 2025 की समय-सारिणी निर्धारित कर दी गई है। इस वर्ष हायर सेकण्डरी की परीक्षा दिनांक 17 नवम्बर 2025 से प्रारंभ होकर 01 दिसम्बर 2025 तक आयोजित होगी। वहीं हाईस्कूल की परीक्षा 17 नवम्बर 2025 से प्रारंभ होकर 28 नवम्बर 2025 तक संपन्न होगी। छत्तीसगढ़ राज्य ओपन स्कूल के अधिकारियों ने बताया कि छात्र-छात्राएँ अपनी परीक्षा से संबंधित विस्तृत समय-सारिणी की जानकारी अपने समीपस्थ अध्ययन केन्द्र से प्राप्त कर सकते हैं। साथ ही समय-सारिणी राज्य ओपन स्कूल की आधिकारिक वेबसाइट भी उपलब्ध है, जिसे छात्र डाउनलोड कर सकते हैं। अधिकारियों ने परीक्षार्थियों से अनुरोध किया है कि वे अपनी परीक्षा की तिथि एवं समय की जानकारी पूर्व में प्राप्त कर लें और निर्धारित समय पर परीक्षा केन्द्र में उपस्थित हों। परीक्षा से संबंधित नवीनतम सूचना हेतु छात्र-छात्राएँ अपने अध्ययन केन्द्र या राज्य ओपन स्कूल की वेबसाइट का नियमित रूप से अवलोकन करते रहें।

सिंचाई कालोनी और निरीक्षण गृह के लिए 7.36 करोड़ रुपए स्वीकृत

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। छत्तीसगढ़ शासन जल संसाधन विभाग द्वारा बस्तर जिले के अंतर्गत सिंचाई योजनाओं के कार्यों के लिए 7 करोड़ 36 लाख 21 हजार रुपए स्वीकृत किए हैं। स्वीकृत योजनाओं में विकासखण्ड बस्तर के कोसारटेडा मध्यम सिंचाई जलाशय परियोजना के भानपुरी स्थित सिंचाई कालोनी में सड़क, नाली, बाऊण्ड्रीवाल, पानी टंकी, गार्ड पलाईन, क्रीड पारिसर का निर्माण कार्य हेतु 3 करोड़ 50 लाख 75 हजार रुपए स्वीकृत किए हैं। इसी प्रकार विकासखण्ड गृह निर्माण कार्य हेतु 3 करोड़ 50 लाख 75 हजार रुपए स्वीकृत किए हैं।

मनोविकास केन्द्र के 5 छात्रों का पर्पल फेस्ट 2025 के लिए हुआ चयन, कलेक्टर ने दी शुभकामनाएं

9 से 12 अक्टूबर तक गोवा में आयोजित पर्पल फेस्ट में करेंगे योगा प्रदर्शन

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। मनोविकास केन्द्र बलौदाबाजार के 5 विद्यार्थियों का चयन प्रतिष्ठित पर्पल फेस्ट 2025 में भाग लेने के लिए हुआ है। यह आयोजन 9 से 12 अक्टूबर 2025 तक गोवा में किया जा रहा है। फेस्ट में हिस्सा लेने गोवा रहना होने से पहले गुरुवार को कलेक्टर दीपक सोनी से चयनित बच्चों ने मुलाकात की। कलेक्टर श्री सोनी ने मनोविकास केन्द्र के बच्चों का फेस्ट के लिए चयन होने पर जिले के लिए बड़ी उपलब्धि बताते हुए उन्हें शुभकामनायें दीं।

मनोविकास केन्द्र के नोडल अधिकारी आशा शुक्ला ने बताया कि केन्द्र के छात्र कुलदीप निर्मलकर, तुषार सेन पुष्कर कुमार साहू,लोकेश कुमार वर्मा एवं किशन यादव का चयन पर्पल फेस्ट 2025 में भाग लेने के लिए हुआ है। इनके साथ योग शिक्षक श्री ललित कुमार साहू तथा केन्द्र प्रमुख श्री दुर्गा शंकर पटनायक भी कार्यक्रम में सम्मिलित होंगे।चयनित विद्यार्थी मनोविकास केन्द्र एवं बलौदाबाजार-भाटापारा जिले का प्रतिनिधित्व करते हुए 15 मिनट का योग प्रदर्शन प्रस्तुत करेंगे जो दिव्यांगजनों की क्षमताओं और



समावेशन की भावना को उजागर करेंगा। यह भागीदारी मनोविकास पहल और जिला प्रशासन के लिए गर्व का क्षण होगा तथा इन विद्यार्थियों को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पहचान और अनुभव प्रदान करेगी। पर्पल फेस्ट 2025 को दिव्यांगजनों की रचनात्मकता, प्रतिभा और सशक्तिकरण के एक जीवंत उत्सव के रूप में देखा जा रहा है। यह आयोजन भारत सरकार के दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग,गोवा सरकार के राज्य आयुक्त, दिव्यांगजन भाटापारा जिले का प्रतिनिधित्व करते हुए 15 मिनट का योग प्रदर्शन प्रस्तुत करेंगे जो दिव्यांगजनों की क्षमताओं और

है।पर्पल फेस्ट का उद्देश्य दिव्यांगजनों के समावेशन, पहुंच और सशक्तिकरण को बढ़ावा देना है। यह महोत्सव समाज में जागरूकता फैलाने, उनकी प्रतिभाओं को प्रदर्शित करने और एक ऐसे समाज के निर्माण की दिशा में कार्य करता है जहां प्रत्येक व्यक्ति को गरिमा और समान अवसरों के साथ जीवन जीने का अधिकार हो।

उल्लेखनीय है कि कलेक्टर दीपक सोनी के मार्गदर्शन में विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के विकास और पुनर्वास हेतु जिला प्रशासन द्वारा बलौदाबाजार में सीएसआर मद से

मनोविकास केन्द्र संचालित किया जा रहा है। इस केन्द्र में 45 से अधिक बच्चों को विशेष शिक्षा, चिकित्सा सहायता, व्यावसायिक प्रशिक्षण और समग्र विकास की सुविधाएं प्रदान किया जा रहा है। यह केन्द्र जनवरी 2025 से शुरू हुआ है और अल्प समय में ही बेहतर परिणाम सामने आने लगा है। विशेष शिक्षा, थरेपी सेवाएं व्यावसायिक प्रशिक्षण,मनोवैज्ञानिक परामर्श और खेल व सांस्कृतिक गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। साथ ही बच्चों को आत्मनिर्भर बनने के लिए कौशल विकास कार्यक्रमों से भी जोड़ा जाता है।

बंजी हाई स्कूल में बालिकाओं की मानसिक स्वास्थ्य हेतु चलाया गया विशेष जागरूकता कार्यक्रम

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। भारत सरकार की लोकप्रिय योजना बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ के अंतर्गत वर्ल्ड मेंटल हेल्थ डे के अवसर पर ग्राम पंचायत बंजी की हाई स्कूल में बालिकाओं के मानसिक स्वास्थ्य को लेकर एक विशेष जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम मिशन सशक्तिकरण मिशन शक्ति हब के द्वारा आयोजित किया गया और इसका संचालन जिला समन्वयक श्रीमती तारा कुमवाहा ने किया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य बालिकाओं में मानसिक स्वास्थ्य के प्रति सजगता बढ़ाना, उनके आत्मविश्वास और मानसिक सशक्तिकरण को प्रोत्साहित करना था। उन्होंने मानसिक और भावनात्मक स्वास्थ्य के महत्व के प्रति शिक्षित करना था।

कार्यक्रम के दौरान बालिकाओं को मानसिक स्वास्थ्य, तनाव प्रबंधन, सकारात्मक सोच, आत्म-सम्मान और आत्म-समर्पण जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत जानकारी दी गई। कलेक्टर डी. राहुल वेंकट के निर्देशानुसार और जिला कार्यक्रम अधिकारी राजकुमार खाती के मार्गदर्शन में आयोजित इस कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने विभिन्न इंटरैक्टिव सत्रों, खेल गतिविधियों और संवाद सत्रों में भाग लेकर अपने अनुभव साझा किए। विशेषज्ञों और शिक्षकों ने बालिकाओं को यह समझाया कि मानसिक स्वास्थ्य शारीरिक स्वास्थ्य के समान ही महत्वपूर्ण है और इसे समय पर समझकर और उचित देखभाल के माध्यम से जीवन में स्थिरता, संतुलन और सकारात्मक ऊर्जा बनाए रखी जा सकती है। कार्यक्रम ने बालिकाओं में आत्मविश्वास और सशक्तिकरण को बढ़ाने के लिए माइंडफुलनेस और ध्यान सत्रों का आयोजन भी किया। विद्यार्थियों ने इन गतिविधियों में भाग लेकर न केवल मानसिक स्वास्थ्य के महत्व को अनुभव किया, बल्कि अपने भीतर सकारात्मक सोच और आत्म-विश्वास का विकास भी किया।

दलहन मिशन और नेचुरल फॉर्मिंग मिशन का 11 अक्टूबर को प्रधानमंत्री मोदी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से करेंगे शुभारंभ

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी कृषि के क्षेत्र में कम उत्पादकता वाले जिले, मध्यम फसल तीव्रता वाले जिले और औसत से कम ऋा वाले जिले के संतुलित विकास को ध्यान में रखते हुए 11 अक्टूबर को देश के किसानों के लिए दलहन मिशन और नेचुरल फॉर्मिंग मिशन का शुभारंभ करेंगे। केंद्रीय कृषि मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने आज वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से राज्य के मंत्रियों से चर्चा कर तैयारियों का जाएजा लिया। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में छत्तीसगढ़ के कृषि मंत्री श्री रामविचार नेकाम शामिल हुए।

गौरतलब है कि भारत के कृषि क्षेत्र को उत्पाकता में कमी, सिंचाई की सीमित उपलब्धता, ऋा सुविधा की कमी और फसल कटाई के बाद भंडारण की कमजोर व्यवस्था जैसी समस्याओं को ध्यान में रखते हुए इन कमियों को दूर करने हेतु प्रधानमंत्री धन धान्य

कृषि योजना प्रारंभ की जा रही है। जिसके अतर्गत देश में 100 आकांक्षी जिलों को चयन किया गया है। इनमें छत्तीसगढ़ के 3 जिलों दंतेवाड़ा, जशपुर और कोरबा को शामिल किया गया है। इन जिलों में कृषि उत्पादकता बढ़ाने फसल विविधीकरण, सतत खेती, सिंचाई सुधार और कृषि ऋा की सुलभता सुनिश्चित की जाएगी।

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से हुई बैठक में बताया गया कि देश में दलहन उत्पादकता का बढ़ाना दलहन के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनना वर्ष 2024-25 में 244.93 लाख टन से बढ़ाकर 2030-31 तक 350 लाख टन दलहन का उत्पादन करना है। वहीं दलहन की खेती का रकबा बढ़ाकर 310 लाख टन करना है। बैठक में केंद्रीय मंत्री श्री चौहान के कहा कि दलों की आयात की जरूरत को समाप्त करते हुए आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ना है।

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से हुई बैठक में बताया गया कि देश में दलहन उत्पादकता का बढ़ाना दलहन के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनना वर्ष 2024-25 में 244.93 लाख टन से बढ़ाकर 2030-31 तक 350 लाख टन दलहन का उत्पादन करना है। वहीं दलहन की खेती का रकबा बढ़ाकर 310 लाख टन करना है। बैठक में केंद्रीय मंत्री श्री चौहान के कहा कि दलों की आयात की जरूरत को समाप्त करते हुए आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ना है।

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से हुई बैठक में बताया गया कि देश में दलहन उत्पादकता का बढ़ाना दलहन के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनना वर्ष 2024-25 में 244.93 लाख टन से बढ़ाकर 2030-31 तक 350 लाख टन दलहन का उत्पादन करना है। वहीं दलहन की खेती का रकबा बढ़ाकर 310 लाख टन करना है। बैठक में केंद्रीय मंत्री श्री चौहान के कहा कि दलों की आयात की जरूरत को समाप्त करते हुए आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ना है।

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से हुई बैठक में बताया गया कि देश में दलहन उत्पादकता का बढ़ाना दलहन के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनना वर्ष 2024-25 में 244.93 लाख टन से बढ़ाकर 2030-31 तक 350 लाख टन दलहन का उत्पादन करना है। वहीं दलहन की खेती का रकबा बढ़ाकर 310 लाख टन करना है। बैठक में केंद्रीय मंत्री श्री चौहान के कहा कि दलों की आयात की जरूरत को समाप्त करते हुए आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ना है।

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। महिला एवं बाल विकास तथा समाज कल्याण मंत्री और भटगांव विधायक श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने कहा कि जनसेवा ही हमारा संकल्प है, जनता की समस्याओं का निराकरण स्थल पर ही सुनिश्चित करने का प्रयास किया जा रहा है, ताकि शासन की योजनाओं का लाभ प्रभावी रूप से जनता तक पहुंच सके। मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े की अध्यक्षता में आज जिला खनिज संस्थान न्यास (इस्ख) सूरजपुर की

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। राज्यपाल श्री रमन डेका को आज राजभवन में “सोसाइटी फॉर एम्पावरमेंट” द्वारा प्रकाशित मासिक पत्रिका “‘प्रारंभ” की प्रति भेंट की गई। विशेष पिछड़ी जनजातियों पर केंद्रित इस विशेषांक का संपादन मानवविज्ञानी एवं राज्यपाल के उउ सचिव डॉ. रूपेन्द्र कवि द्वारा किया गया है। इस विशेषांक में विशेष पिछड़ी जनजातियों समुदायों की सामाजिक, सांस्कृतिक एवं आर्थिक स्थिति पर केंद्रित विमर्श प्रस्तुत किया गया है, तथा इससे नीति-निर्माताओं, शोधार्थियों एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं को उपयोगी जानकारी मिलेगी।

राज्यपाल श्री डेका ने पत्रिका की विषयवस्तु की सराहना करते हुए शुभकामनाएं दीं। उन्होंने इस पहल को जनजातीय समुदायों की जागरूकता एवं सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयास बताया।

ग्राम पंचायत मझौली की उचित मूल्य दुकान हेतु समितियों से आवेदन आमंत्रित, अंतिम तिथि 28 तक

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) खड़गवां, जिला एमसीबी ब्लाक खड़गवां के आदेशानुसार ग्राम पंचायत मझौली स्थित शासकीय उचित मूल्य दुकान (आईडी क्रमांक 532004083) के संचालन की जिम्मेदारी ग्राम पंचायत मझौली के सरपंच एवं सचिव द्वारा निभाए जाने में असमर्थता व्यक्त की गई है। इस परिस्थिति को देखते हुए उक्त दुकान का संचालन किसी सक्षम समिति को सौंपे जाने की प्रक्रिया प्रारंभ की गई है, ताकि क्षेत्र की जनता को खाद्यान्न वितरण की सुविधा सुचारु रूप से मिलती रहे। इस उद्देश्य से आदिम जाति सहकारी समिति, बहुउद्देशीय सहकारी समिति, महिला स्वयं सहायता समूह, वन सुरक्षा समिति एवं अन्य पात्र समितियों से आवेदन आमंत्रित किए जा रहे हैं। इच्छुक समितियां 10 से 28 अक्टूबर 2025 तक कार्यालयीन समय में आवेदन प्रस्तुत कर सकती हैं। आवेदन के साथ पंजीयन प्रमाण पत्र, पासबुक की छायाप्रति एवं अन्य आवश्यक दस्तावेज संलग्न करना अनिवार्य होगा। अंतिम तिथि के पश्चात प्राप्त होने वाले आवेदनों पर कोई विचार नहीं किया जाएगा। अनुविभागीय अधिकारी (रा.) खड़गवां ने स्पष्ट किया है कि उचित मूल्य दुकान का आवंटन नियमानुसार एवं पारदर्शी प्रक्रिया के तहत किया जाएगा, जिससे ग्रामीण अंचल के पात्र हितग्राहियों को राशन वितरण में किसी प्रकार की समस्या का सामना न करना पड़े।

राष्ट्रीय अविष्कार अभियान के तहत जिला स्तरीय क्रिज प्रतियोगिता से विद्यार्थियों में जागी वैज्ञानिक चेतना

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। विद्यार्थियों में वैज्ञानिक सोच और नवाचार की प्रवृत्ति को बढ़ावा देने के उद्देश्य से राष्ट्रीय अविष्कार अभियान के अंतर्गत जिला स्तरीय क्रिज प्रतियोगिता का आयोजन सेजेस मनेंद्रगढ़ परिसर में किया गया। इस कार्यक्रम का आयोजन जिला शिक्षा अधिकारी आर. पी. मिरे के निर्देशन में किया गया जिसमें जिले के समस्त शैक्षणिक अधिकारियों और शिक्षकों ने सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की। कार्यक्रम की रूपरेखा को व्यवस्थित करने में जिला नोडल अधिकारी श्री इरफान खान, वरिष्ठ व्याख्याता श्रीमती सुनीता मिश्रा, सहायक नोडल जसवंत डहरिया, ब्लॉक नोडल संदीप कुमार, व्याख्याता विक्रांत दुबे और शिक्षक श्री कौशल ने मिलकर प्रश्नों का चयन और प्रतियोगिता संचालन किया। कार्यक्रम में सेजेस मनेंद्रगढ़ के प्राचार्य रामाश्रय शर्मा तथा जिले के समग्र शिक्षा एफएलएन के कर्मचारी भी उपस्थित रहे।

इस जिला स्तरीय क्रिज प्रतियोगिता को दो मुख्य वर्गों में आयोजित किया गया, जिसमें माध्यमिक स्तर कक्षा छठवीं से आठवीं तक और हाई/हायर सेकेंडरी स्तर कक्षा नवमी से बारहवीं तक शामिल था। प्रतियोगिता में जिले के तीनों ब्लॉक मनेंद्रगढ़, खड़गवां और भरतपुर से चयनित छात्र-छात्राओं ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता में छात्रों ने विज्ञान, तकनीक और नवाचार से जुड़े विविध प्रश्नों का सामना करते हुए न केवल अपनी बुद्धिमत्ता दिखाई बल्कि वैज्ञानिक चेतना और नवाचार की दिशा में गहरी रुचि भी प्रदर्शित की।

माध्यमिक स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त किया रवि कुमार यादव ने माध्यमिक शाला बरकेला से, द्वितीय स्थान अफसिबा टोप्पो ने सेजेस भरतपुर से और तृतीय स्थान निहाल यादव ने माध्यमिक शाला बरकेला से प्राप्त किया। हाई/हायर सेकेंडरी स्तर पर प्रथम स्थान कृष्णा साहू ने सेजेस मनेंद्रगढ़, द्वितीय स्थान स्नेहा

केवट ने शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मनेंद्रगढ़ और तृतीय स्थान विजय प्रकाश ने शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय भरतपुर ने प्राप्त किया।

कार्यक्रम के समापन अवसर पर सुनीता मिश्रा, जसवंत डहरिया और संदीप कुमार ने कहा कि इस प्रतियोगिता ने छात्रों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण और नवाचार की सोच को बढ़ावा दिया। उन्होंने विद्यार्थियों को लगातार सीखने, प्रश्न पूछने और प्रयोग करने के लिए प्रोत्साहित किया। राष्ट्रीय अविष्कार अभियान के जिला नोडल अधिकारी इरफान खान ने सभी शिक्षकों, कर्मचारियों और पालकों का उनके सहयोग के लिए आभार प्रकट किया। उन्होंने कहा कि इस तरह की प्रतियोगिताएँ न केवल विद्यार्थियों में वैज्ञानिक चेतना विकसित करती हैं बल्कि उन्हें नवाचार, टीम वर्क और तार्किक सोच में भी कुशल बनाती हैं।

राज्यपाल श्री डेका को ‘प्रारंभ’ पत्रिका का विशेषांक भेंट

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। राज्यपाल श्री रमन डेका को आज राजभवन में “सोसाइटी फॉर एम्पावरमेंट” द्वारा प्रकाशित मासिक पत्रिका “‘प्रारंभ” की प्रति भेंट की गई। विशेष पिछड़ी जनजातियों पर केंद्रित इस विशेषांक का संपादन मानवविज्ञानी एवं राज्यपाल के उउ सचिव डॉ. रूपेन्द्र कवि द्वारा किया गया है। इस विशेषांक में विशेष पिछड़ी जनजातियों समुदायों की सामाजिक, सांस्कृतिक एवं आर्थिक स्थिति पर केंद्रित विमर्श प्रस्तुत किया गया है, तथा इससे नीति-निर्माताओं, शोधार्थियों एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं को उपयोगी जानकारी मिलेगी।



राज्यपाल श्री डेका ने पत्रिका की विषयवस्तु की सराहना करते हुए शुभकामनाएं दीं। उन्होंने इस पहल को जनजातीय समुदायों की जागरूकता एवं सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयास बताया।

आयुष्मान योजना ने नया जीवन दिया दिव्यांग शंकर को

घर लौटते समय सड़क दुर्घटना में हुआ घायल

आयुष्मान भारत योजना से हुआ निःशुल्क उपचार

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। 32 वर्षीय शंकर गुप्ता पहले से ही शारीरिक रूप से दिव्यांग हैं। रोज की तरह वे घर लौट रहे थे, इस दौरान आकस्मिक दुर्घटना में शंकर के पैर की हड्डियाँ चार जगहों से टूट गईं जिनमें घुटने का पट्टेला, फीमर और लांग बोन क्षति हुई। उन्हें तत्काल जिला अस्पताल ले जाया गया। जहां चिकित्सकों ने बताया कि स्थिति गंभीर है और सर्जरी ही एकमात्र उपाय है। आयुष्मान भारत योजना से शंकर का निःशुल्क उपचार हुआ, जिससे उसे नया जीवन मिला। जिले के विकासखण्ड रामचन्द्रपुर अंतर्गत ग्राम चाकी निवासी 32 वर्षीय शंकर गुप्ता का इलाज का अनुमानित खर्च लगभग 80 हजार रुपये बताया गया। सीमित साधनों वाला परिवार असमंजस में था कि इतनी बड़ी रकम इलाज के लिए कहाँ से लाए। ऐसी स्थिति में आयुष्मान भारत योजना उनके लिए संजीवनी बनकर आई। योजना के अंतर्गत उनका पूरा इलाज निःशुल्क हुआ। सर्जरी, सीटी स्कैन और दवाइयाँ सभी इसी योजना के तहत कवर हुईं। सर्जरी सफल रही और अब शंकर की सेहत में धीरे-धीरे सुधार हो रहा है। चिकित्सकों की निगरानी में वे पुनः खड़े होने की कोशिश कर रहे हैं। इलाज पूरा होने के बाद शंकर भावुक स्वर में कहते हैं, मैं



जनसेवा ही हमारा संकल्प - मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने जनदर्शन में सुनी जनता की समस्याएँ, त्वरित निराकरण के लिए निर्देश

खनिज न्यास की योजनाओं से होगा जनजीवन में सुधार - सूरजपुर में शासी परिषद की बैठक संपन्न



मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। महिला एवं बाल विकास तथा समाज कल्याण मंत्री और भटगांव विधायक श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने कहा कि जनसेवा ही हमारा संकल्प है, जनता की प्रत्येक समस्या का समाधान सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने आज अपने निवास बीरपुर जिला सूरजपुर में आयोजित जनदर्शन कार्यक्रम में बड़ी संख्या में पहुंचे नागरिकों की समस्याएँ और सुझाव

सुनीं। उन्होंने अधिकारियों को हर आवेदन पर आवश्यक और त्वरित कार्यवाही के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जनदर्शन कार्यक्रम के माध्यम से आम जनता की समस्याओं का निराकरण स्थल पर ही सुनिश्चित करने का प्रयास किया जा रहा है, ताकि शासन की योजनाओं का लाभ प्रभावी रूप से जनता तक पहुंच सके। मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े की अध्यक्षता में आज जिला खनिज संस्थान न्यास (इस्ख) सूरजपुर की



शासी परिषद की बैठक भी जिला पंचायत कार्यालय में संपन्न हुई। बैठक में सांसद श्री चितामणि महराज, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती चंद्रमणि पैकरा, नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती कुसुमलता राजवाड़े, कलेक्टर सहित की जिले के जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी उपस्थित रहे।

बैठक में खनिज न्यास निधि से संचालित योजनाओं की समीक्षा की गई और विकास कार्यों की प्रगति पर चर्चा हुई। मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने

निर्देश दिए कि खनिज न्यास निधि से संचालित सभी योजनाएँ जनजीवन के उत्थान में सार्वक योदान दें, तथा उनके क्रियान्वयन में पारदर्शिता, गुणवत्ता और समयबद्धता सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि शासन की मंशा है कि खनिज क्षेत्र से प्राप्त संसाधनों का अधिकतम लाभ स्थानीय जनता को मिले और इन योजनाओं के माध्यम से शिक्षा, स्वास्थ्य, पेयजल, पोषण, सड़क एवं रोजगार के क्षेत्र में स्थायी सुधार हो।

छतरपुर-नौगांव में अवैध पटाखा भंडारण पर कार्रवाई

तीन गिरतार, सवा तीन लाख रुपए से ज्यादा की आतिशबाजी सामग्री ज्त

छतरपुर, एजेंसी। दीपावली से पहले छतरपुर जिले में अवैध रूप से पटाखों के भंडारण के खिलाफ पुलिस ने सख्ती शुरू कर दी है। जिला पुलिस ने छतरपुर और नौगांव में कार्रवाई करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। उनके पास से सवा तीन लाख रुपए से अधिक की आतिशबाजी सामग्री बरामद की गई है।

छतरपुर में दो आरोपी गिरफ्तार: कोतवाली पुलिस छतरपुर ने गल्ल मंडी के पास स्थित एक मकान में छपा मारा, जहां रिहायशी इलाके में अवैध रूप से आतिशबाजी सामग्री स्टोर की जा रही थी। यहां से पुलिस ने करीब दो लाख रुपये कीमत के 50 से ज्यादा प्रकार के पटाखे जब्त किए।

इस मामले में पुलिस ने साकेत अग्रवाल (निवासी पिपरसनिया मोहल्ल, गल्ल मंडी) और कल्याण



सिंह (निवासी ग्राम सरानी) को गिरफ्तार किया है। दोनों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता

और विस्फोटक अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है। नौगांव में भी बड़ी जब्ती:

इसी तरह, नौगांव पुलिस ने स्टेट बैंक के पास एक घर में छपा मारा, जहां हीरालाल रैकवार (निवासी

नौगांव) के मकान से करीब 1.25 लाख रुपये कीमत की आतिशबाजी बरामद की गई। जन्त सामग्री 12 कार्टून में रखी गई थी। पुलिस ने हीरालाल को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश करने की कार्रवाई की है।

अवैध भंडारण पर पूरी तरह प्रतिबंध: पुलिस अधिकारियों ने बताया कि मध्यप्रदेश शासन और पुलिस मुख्यालय भोपाल के निर्देश पर यह कार्रवाई की गई है। रिहायशी क्षेत्रों, बाजारों और भीड़भाड़ वाले इलाकों में पटाखों के निर्माण, भंडारण और विक्रय पर पूरी तरह प्रतिबंध लगाया गया है। केवल निर्धारित सुरक्षित स्थानों पर ही पटाखा बिक्री की अनुमति दी गई है। साथ ही, पटाखा दुकानों में अग्निशमन यंत्रों की उपलब्धता और सुरक्षा मानकों का पालन अनिवार्य किया गया है। दोनों मामलों में अपराध पंजीबद्ध कर जांच शुरू कर दी गई है।

बीएमसी में भर्ती मरीजों के परिजन में मारपीट

पलंग के पास रखी कुर्सी उठाने पर भिड़े, दो भाइयों ने मिलकर युवक को पीटा

सागर, एजेंसी। बृंदेलखंड मेडिकल कॉलेज (बीएमसी) के वार्ड नंबर 9 में गुरुवार शाम दो मरीजों के परिजनों के बीच विवाद हो गया। विवाद में गाली-गलौज के बाद मारपीट भी हुई। अस्पताल में मौजूद सुरक्षाकर्मियों ने बीच-बचाव कर मामला शांत कराया। घायल युवक ने गोपालगंज थाने में शिकायत दर्ज कराई, जिस पर पुलिस ने मारपीट समेत अन्य धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार, फरियादी अनिल अहिरवार ने बताया कि उनकी पत्नी पूनम अहिरवार एक्सीडेंट में घायल हुई थीं और उन्हें हेड इंजरी आई थी। उनका इलाज बीएमसी में चल रहा है। पूनम बीएमसी के वार्ड नंबर 9 में लगभग 8 महीने से पलंग नंबर 24 पर लगी हैं। इसी वार्ड में उनके पास पलंग नंबर 26 पर कमला नाम की महिला और उनके दो बेटे अजय और कृष्णा भर्ती थे।



कुर्सी को लेकर विवाद: अनिल अहिरवार ने बताया कि अजय कोरी ने उनके पलंग के पास रखी कुर्सी उखाड़ी। जब अनिल ने कहा कि यह कुर्सी मेरे लिए है और मैं इसे इस्तेमाल करता हूँ, तो अजय ने गाली-गलौज शुरू कर दी। गालियां देने से मना करने पर अजय और उनके भाई कृष्णा ने लात-झूंसों से मारपीट की।

घायल युवक ने थाने में शिकायत दर्ज कराई: मारपीट में अनिल अहिरवार को गर्दन और माथे पर चोटें आई हैं। आसपास

मौजूद लोगों ने बीच-बचाव कर विवाद को शांत कराया। घायल युवक ने गोपालगंज थाने पहुंचकर शिकायत की। पुलिस ने शिकायत के आधार पर मारपीट समेत संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

अस्पताल सुरक्षा और कार्रवाई: बीएमसी में घटना के दौरान सुरक्षाकर्म मौजूद थे जिन्होंने समझाइश देकर विवाद को रोकने की कोशिश की। पुलिस अब घटना के संबंध में सभी पक्षों से पूछताछ कर रही है।

शिवपुरी में सड़क किनारे लगे सब्जी ठेले हटाए

यातायात पुलिस ने दीपावली त्यौहार की बढ़ती भीड़ के कारण कार्रवाई की

शिवपुरी, एजेंसी। शिवपुरी में दीपावली के त्यौहार को लेकर यातायात व्यवस्था सुचारु रखने के लिए पुलिस और नगर पालिका ने संयुक्त कार्रवाई की है। शहर की सड़कों पर लगे सब्जी और फल के ठेले हटाए गए, जिससे लगने वाले जाम से निजात मिल सके।

शहर में अस्थाई सब्जी मंडी को हटाया: दीपावली नजदीक आने के साथ ही शहर की सब्जी मंडी के आसपास भीड़ बढ़ गई थी। सड़क किनारे दुकानदारों द्वारा ठेले लगाने से आम रास्ता संकरा हो गया था, जिससे सुबह और शाम के समय आवागमन में भारी दिक्कत और जाम की स्थिति बन रही थी। इसी समस्या को देखते हुए शुक्रवार सुबह यातायात पुलिस और नगर पालिका की एक संयुक्त टीम ने मानस भवन के पास सड़क पर लगी अस्थायी सब्जी मंडी को हटवाया। टीम ने वहां व्यापार कर रहे दुकानदारों को समझाया कि वे अपना व्यापार मंडी के अंदर करें,



ताकि नागरिकों को परेशानी न हो। ठेले लगाने पर की जाएगी कार्रवाई: यातायात प्रभारी रणवीर सिंह यादव ने बताया कि दीपावली के कारण शहर में भीड़ बढ़ रही है। ऐसे में सड़क पर ठेले और दुकानें

लगाने से यातायात बाधित हो रहा था। उन्होंने हटाए गए दुकानदारों की चेतावनी दी है कि यदि भविष्य में फिर से सड़क पर दुकान लगाई गई तो उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। यादव ने आम नागरिकों से

भी अपील की है कि वे सड़क पर वाहन खड़ा न करें और यातायात व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग दें। इसका उद्देश्य त्योहार के दौरान किसी भी तरह की अव्यवस्था को रोकना है।

एबीवीपी का टोल नाके पर हंगामा

संगठन मंत्री से अभद्रता के विरोध में आधे घंटे रुका यातायात



रायसेन, एजेंसी। रायसेन के सेहत गंज टोल नाके पर गुरुवार देर रात अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) के कार्यकर्ताओं ने हंगामा कर दिया। संगठन मंत्री के साथ अभद्र व्यवहार के विरोध में कार्यकर्ताओं ने धरना दिया, जिससे करीब आधे घंटे तक वाहनों का आवागमन बाधित रहा। एबीवीपी का आरोप है कि टोल नाका कर्मचारी रात के समय अवैध वसूली करते हैं और वाहन चालकों से दुर्व्यवहार भी करते हैं।

टोल नाके पर धरना, वाहनों की कतार लगी गई: कार्यकर्ताओं ने बताया कि दो दिन पहले संगठन मंत्री के साथ भी अभद्रता की गई

थी। इसी के विरोध में कार्यकर्ता टोल नाके पर पहुंचे और जिम्मेदार टोल कर्मचारी द्वारा माफी मांगने की मांग करते हुए धरने पर बैठ गए। इस दौरान टोल पर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। सूचना मिलने पर पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे और कार्यकर्ताओं को समझाया। काफी समझाने-बुझाने के बाद स्थिति पर नियंत्रण पाया गया और यातायात फिर से सुचारु हो सका।

टोल मैनेजर ने हाथ जोड़ माफी मांगी: एबीवीपी के जिला संयोजक अश्विनी पटेल ने कहा कि जब तक अभद्र व्यवहार करने वाला कर्मचारी माफी नहीं मांगेगा, तब तक उनका आंदोलन जारी रहेगा।

खरगोन में 3.40 लाख के गहनों की चोरी का खुलासा

नाबालिग ममेरा भाई ही निकला मास्टरमाइंड; 6 खरीदार भी गिरतार

खरगोन, एजेंसी। खरगोन जिले की खलटोंका पुलिस चौकी ने सिगाचोरी गांव में हुई 3.40 लाख रुपए के गहनों की चोरी का खुलासा कर दिया है। इस मामले में फरियादी का नाबालिग ममेरा भाई ही मास्टरमाइंड निकला। उसी ने घर में पेटी में रखे गहने चुराए और उन्हें बेच दिया। पुलिस ने नाबालिग आरोपी के साथ चोरी के गहने खरीदने वाले 6 अन्य लोगों को भी गिरफ्तार कर लिया है। उनके पास से सारे गहने जब्त कर लिए गए हैं।

शादी के लिए रखे गहने पेटी से हो गए थे गायब: सिगाचोरी निवासी राहुल ने 27 सितंबर को खलटोंका चौकी पर चोरी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। उसने बताया था कि मार्च 2025 में होने वाले पारिवारिक कार्यक्रम के लिए उसकी मां ने सोने के गहने घर की पेटी में रखे थे। 21 सितंबर को जब पेटी खोली तो गहने गायब थे।

पूछताछ में ममेरे भाई पर हुआ शक: मामला दर्ज होने के बाद बल्लकवाड़ा टीआई रिश्तेश यादव और चौकी प्रभारी अजय दुबे की



टीम ने जांच शुरू की। परिवार वालों से पूछताछ के दौरान पुलिस को राहुल के नाबालिग ममेरे भाई पर शक हुआ। जब उसे अभिरक्षा में लेकर सख्ती से पूछताछ की गई तो उसने चोरी करने और गहने बेचकर पैसे खर्च करने की बात

कबूल कर ली। चोरी के गहने खरीदने वाले 6 लोग भी गिरफ्तार: नाबालिग से मिली जानकारी के आधार पर पुलिस ने चोरी के आभूषण खरीदने वाले 6 आरोपियों को भी गिरफ्तार कर लिया। इनमें धार जिले के

पानी में डूब कर छात्र की मौत

दोस्तों के साथ 25 फीट गहरे कुएं में नहाने उतरा था, देर रात तक चला रेस्क्यू

सागर, एजेंसी। सागर जिले के मोतीनगर थाना क्षेत्र में गुरुवार को एक बगैर मुंडेर के कुएं में डूबने से 10वीं के छात्र की मौत हो गई। छात्र स्कूल जाने का कहकर घर से निकला था, लेकिन अपने दो दोस्तों के साथ नहाने के लिए कुएं पर पहुंच गया। नहाते समय वह गहरे पानी में डूब गया। सूचना पर पहुंची SDERF की टीम ने देर रात तक सर्चिंग की, लेकिन अंधेरा होने के कारण सर्चिंग में काफी दिक्कत आई। हालांकि देर रात शव बरामद कर लिया गया। शुक्रवार को पुलिस ने पंचनामा बनाकर शव का पोस्टमार्टम कराया है। मर्ग कायम कर मोतीनगर पुलिस ने जांच में लिया है। पुलिस के अनुसार, रजौआ गांव का रहने वाला लेखराज पिता हेमराज पटेल (17) कक्षा 10वीं का छात्र था। वह गुरुवार को अपने दो दोस्तों के साथ स्कूल जाने का बोलकर घर से निकला था, लेकिन तीनों स्कूल नहीं गए। वे



बदौना गांव के पास बने करीब 25 फीट गहरे कुएं में नहाने चले गए। नहाते समय लेखराज गहरे पानी में चला गया और डूब गया।

दोस्तों ने मचाया शोर, ग्रामीणों को बुलाया: लेखराज को डूबता देख उसके दोस्त घबरा गए और उन्होंने शोर मचाकर आसपास के ग्रामीणों को सूचना दी। जब तक ग्रामीण मौके पर पहुंचे, तब तक छात्र पानी में पूरी तरह समा चुका था। इसके बाद पुलिस को

जानकारी दी गई। देर रात तक चली सर्चिंग, अंधेरे के कारण हुई परेशानी: घटना की सूचना पर मोतीनगर थाना प्रभारी जसवंत सिंह अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने तुरंत SDERF की टीम को बुलाया। SDERF की टीम ने कुएं में छात्र की तलाश के लिए सर्चिंग ऑपरेशन चलाया, लेकिन कुएं में पानी ज्यादा होने और अंधेरा हो जाने के कारण देर रात तक सर्चिंग चलती रही।

अनूपपुर की जमुना कॉलरी में दिखा भालू

रिहायशी इलाकों में दहशत; वन विभाग ने बढ़ाई गश्त

अनूपपुर, एजेंसी। अनूपपुर जिले की जमुना कॉलरी के रिहायशी इलाकों में भालू का विचरण देखा जा रहा है। भालू के लगातार दिखने से स्थानीय निवासियों में चिंता बढ़ गई है। शाम होते ही लोग अपने घरों में रहने को मजबूर हैं। कोतमा रेंजर हरीश तिवारी ने बताया कि देर रात जमुना कॉलरी में भालू की मौजूदगी दर्ज की गई थी। इस घटना के बाद से वन विभाग का दल लगातार क्षेत्र में गश्त कर रहा है। यह क्षेत्र आमोडंड के जंगलों से सटा हुआ है, जिसके कारण भालू अक्सर रिहायशी इलाकों में प्रवेश कर जाते हैं। वन विभाग ने स्थानीय लोगों से सतर्क रहने और रात के समय अनावश्यक रूप से घरों से बाहर न निकलने की अपील की है।

इससे पहले, 1 अक्टूबर को भी इसी क्षेत्र में भालू की गतिविधि देखी गई थी। उस समय एक भालू ने एक घर का दरवाजा तोड़कर अंदर प्रवेश कर लिया था।

सीहोर में मेडिकल संचालक से मांगी अबॉर्शन किट

ड्रग इंस्पेक्टर से कार्रवाई की धमकी देकर मांगे 30 हजार

सीहोर, एजेंसी। सीहोर में मेडिकल स्टोर संचालकों से पैसे वसूलने की कोशिश करने वाले चार लोगों पर कोतवाली पुलिस ने एफआईआर की है। आरोप है कि वे लोग खुद को पत्रकार बताकर दुकानों पर पहुंचे, अबॉर्शन किट की मांग की और फिर ड्रग इंस्पेक्टर से कार्रवाई कराने की धमकी देकर पैसे मांगने लगे।

डॉक्टर की पर्ची

मांगी तो धमकाने लगे:

शिकायतकर्ता पवन वर्मा, गंगा आश्रम सीहोर में मंडलोई मेडिकल स्टोर चलाते हैं। उन्होंने बताया कि 9 अक्टूबर की दोपहर करीब 12-30 बजे, दो पुरुष और दो महिलाएं उनके स्टोर पर आए। उन्होंने एबॉर्शन किट मांगी। जब वर्मा ने डॉक्टर की पर्ची दिखाने को कहा तो एक व्यक्ति ने किट हाथ में ली और फिर लौट दी।

इसके बाद चारों ने खुद को पत्रकार बताते हुए अपने नाम अमित ठाकुर, प्रकाश दुबे, संजना मीना और सुहानी यादव बताए। उन्होंने आरोप लगाया कि वर्मा अवैध रूप से दवाएं बेच रहे हैं और इस पर ड्रग इंस्पेक्टर से कार्रवाई कराने की धमकी दी। साथ ही, 30 हजार रुपए की मांग भी की गई। अमित ठाकुर ने अपना मोबाइल नंबर देकर 10 मिनट में जबब देने को कहा, नहीं तो खबर चलाने की धमकी दी।

पहले भी कर चुके वसूली: पवन वर्मा ने इस घटना की सूचना दवा विक्रेता संघ (एसोसिएशन) को दी। संघ ने जानकारी बताया कि यहीं लोग पहले भी कृष्णा मेडिकल स्टोर, वैष्णवी मेडिकल, ताहिरी मेडिकल समेत कई दुकानों पर इसी तरह एबॉर्शन किट के बहाने धमकाकर पैसे वसूल चुके हैं। श्री साई मेडिकल स्टोर, ग्राम सतराना के संचालक रथाम बाबू से भी 5 हजार रुपए लिए थे। आरोपियों ने आण्ड, इड्डवर, बुधनी, नसरुल्लगंज और रेहटी में भी मेडिकल दुकानदारों को इसी तरह से निशाना बनाया।

पुलिस ने दर्ज की एफआईआर: घटना की जानकारी मिलने के बाद दवा विक्रेताओं और बार एसोसिएशन के कुछ सदस्यों के साथ पवन वर्मा कोतवाली थाना पहुंचे। वहां पर गुरुवार देर रात आरोपी अमित ठाकुर, प्रकाश दुबे, संजना मीना और सुहानी यादव के खिलाफ बीएनएस की धारा 308(2) और 308(3) के तहत केस दर्ज किया गया। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि आरोपित जिले के बाहर के निवासी हैं और मामले की जांच जारी है।

नवजात की जान लेने वाली फर्जी डॉ.तैयबा पर FIR दर्ज

न डिग्री न परमिशन फिर भी चलता रहा फर्जी विलनिक और मेडिकल

उज्जैन, एजेंसी। उज्जैन में गलत इलाज कर नवजात की जान लेने वाली फर्जी महिला डॉ. तैयबा पर घटना के 7 दिन बाद पंवासा थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया गया। जिसके बाद से डॉ. फरार बताई जा रही है। 6 माह में दो नवजात बच्चों की जान लेने वाली, डॉ. तैयबा के पास न डिग्री थी न क्लिनिक चलाने के लिए जरूरी संस्थापन और न ही क्लिनिक का रजिस्ट्रेशन, फिर भी नियम विरुद्ध वो क्लिनिक के साथ-साथ एक मेडिकल भी फर्जी रजिस्ट्रेशन से संचालित कर रही थी। उज्जैन में 2 अक्टूबर को चिंतामन में रहने वाले लखन मालवीय की पत्नी काजल को डिलीवरी का दर्द होने पर शासकीय अस्पताल जीवाजीगंज में लेकर गये वहां पर मौजूद महिला सजनी तम्बोली ने डॉ. तैयबा शेख का पता बताया। डॉ. तैयबा शेख के मकसी रोड पर स्थित पंवासा क्षेत्र के आशीर्वाद हॉस्पिटल में काजल का चेक अप किया और उन्होंने बता दिया कि बच्चे के हाथ पैर नहीं बने हैं। उन्होंने विशेष हॉस्पिटल में जाकर दोपहर 01.00 बजे भर्ती कराया और इलाज शुरू कर दिया एवं खून की बॉटल उनके द्वारा मरीज को लगाई गई।

मरीज को ज्यादा पीड़ा होने लगी तब परिजनों द्वारा छुट्टी की गुहार लगाई तो उनके द्वारा इमरजेंसी बताकर बताया कि पेट में जहर फैल जाएगा शहर के बड़े निजी अस्पताल ले जाने का बोला। यहां से पहले अपना अस्पताल ले गए वहां से काजल और उसके परिजनों को छोड़कर डॉ. तैयबा भाग गई। इसके बाद परिजन काजल को एसएन कृष्णा अस्पताल में लेकर आए जहां पर काजल की नार्मल डिलीवरी हुई, लेकिन बच्चे की मौत हो गई थी।

बीच में छोड़कर भागी थी मरीजों को: घटना में सिर्फ डॉ. तैयबा अकेली दोषी नहीं है। उसके साथ देने वाले अस्पताल भी उत्ते ही दोषी हैं। दरअसल आरोपी महिला डॉ गर्भवती काजल को पहले विशेष अस्पताल लेकर गई, इसके बाद उसका रात तक इलाज करती रही। यहां पर तबीयत बिगड़ी तो पाटीदार ब्रिज के पास अपना अस्पताल ले कर गई। यहां काजल की बिगड़ती हालत देखते हुए अस्पताल प्रबंधन ने उसे भर्ती करने से इंकार कर दिया। जिसके डॉ. तैयबा पति के साथ फरार हो गईं।



फीफा 2026 विश्व कप कालीफायर, स्कॉटलैंड, नीदरलैंड्स और डेनमार्क का शानदार प्रदर्शन

नई दिल्ली, एजेंसी। फीफा 2026 विश्व कप कालीफायर में स्कॉटलैंड ने ग्रीस पर 3-1 से शानदार जीत दर्ज करते हुए अपनी संभावनाओं को मजबूत किया है। वहीं, नीदरलैंड्स, डेनमार्क और ऑस्ट्रिया ने अपने प्रदर्शन से फैंस को प्रभावित किया। ग्रुप-सी के मुकाबले में हैम्पडेन पार्क में अपने पिछले दौर में 3-0 से जीत हासिल करने वाली ग्रीस की टीम ने इस मैच में भी शानदार शुरुआत की। कोस्टास सिमिकास ने 62वें मिनट में गोल करते हुए ग्रीस को 1-0 से बढ़त दिलाई। हालाँकि, ग्रीस की खुशी ज्यादा देर तक नहीं टिक पाई। स्कॉटलैंड की ओर से रयान क्रिस्टी ने दो मिनट बाद (64वें मिनट) ही नजदीकी रेंज से गोल दागा। लुईस फर्ग्युसन ने 80वें मिनट में गोल करते हुए स्कॉटलैंड को 2-1 से बढ़त दिला दी। ग्रुप-सी के एक अन्य मैच में रासमस होजलुंड ने दो गोल दागकर डेनमार्क को हंगरी के खिलाफ 6-0 से जीत दिलाई। इसी के साथ जर्मनी ग्रुप में शीर्ष पर है, जबकि स्कॉटलैंड, ग्रीस और बेलारूस क्रमशः दूसरे, तीसरे और चौथे पायदान पर मौजूद हैं।

ग्रुप-जी में नीदरलैंड्स ने माल्टा को 4-0 से हराया। इस मुकाबले में कोडी गार्कपो ने 12वें और 48वें मिनट में गोल दागे। विपक्षी टीम एक अदद गोल के लिए तरसती रह गई। नीदरलैंड की टीम इस रूप में शीर्ष पर है। ग्रुप-एच में ऑस्ट्रिया ने सैन मैरिनो पर 10-0 से बड़ी जीत दर्ज की। इस मुकाबले में मार्को अनौटोविक ने चार (8वें मिनट, 47वें मिनट, 83वें और 84वें मिनट) गोल दागे। इसी के साथ मार्को अनौटोविक ऑस्ट्रिया के सर्वकालिक रिकॉर्ड स्कोरर बन गए हैं। मार्को ने इस देश के लिए 45 गोल दागे हैं। वह टोनी पोलस्टर से एक कदम आगे हैं। ग्रुप-एच में ऑस्ट्रिया शीर्ष पर मौजूद है, जबकि सैन मैरिनो पांचवें पायदान पर है। इस रूप में बोस्निया एंड हर्जोगोविना दूसरे, रोमानिया तीसरे और साइप्रस चौथे स्थान पर मौजूद हैं।

दूसरे टेस्ट से पहले विवियन रिचर्ड्स और ब्रायन लारा की टीम को सलाह



नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के खिलाफ शुक्रवार से शुरू हो रहे दूसरे टेस्ट से पहले दिग्गज पूर्व क्रिकेटर विवियन रिचर्ड्स और ब्रायन लारा ने रोस्टन चेंस की टीम को यही सलाह दी है कि वेस्टइंडीज क्रिकेट का ग्राफ भले ही नीचे को जा रहा हो लेकिन यहां से ऊपर उठने का जरिया सिर्फ आत्मविश्वास और सही रवैया है। वेस्टइंडीज के तीन पूर्व कप्तान रिचर्ड्स, लारा और रिची रिचर्डसन दिल्ली में हैं और बुधवार को एक प्रचार कार्यक्रम के दौरान टीम से मिले। चेंस ने मैच से एक दिन पहले प्रेस कांफ्रेंस में कहा, ‘कल हमारा एक टीम कार्यक्रम था और मैंने तीनों (रिचर्ड्स, लारा और रिचर्डसन) से बात की। उन्होंने हमें कहा कि खुद पर भरोसा बनाये रखो। स्थिति अभी खराब है लेकिन यह बदलेगी। तीनों ने टीम से सकारात्मक क्रिकेट खेलने का आग्रह किया। चेंस ने कहा, ‘बदलाव की शुरुआत अभी होगी और यह आत्मविश्वास और हर खिलाड़ी की सोच से होगी। मेरा फोकस उन्हें प्रेरित करते रहने पर है और हम सकारात्मक क्रिकेट खेलते रहेंगे।

खेलो क्रिएटर्स लीग की धमाकेदार शुरुआत, यशस्वी जयसवाल ने टेस्ट में ठोका सातवां शतक सितारों, संगीत और खेल के रंग में रंगा जयपुर

जयपुर, एजेंसी। जयपुर में खेलो क्रिएटर्स लीग (केसीएल) एक ऐसी लीग का आज आगाज हुआ जिसमें कंटेड क्रिएटर्स सिर्फ कैमरे के सामने नहीं, बल्कि मैदान में अपनी टीम को रिप्रेजेंट कर रहे हैं। डिजिटल दुनिया के स्टार क्रिएटर्स और इन्फ्लुएंसर्स मैदान पर नजर आये, तो माहौल तालियों और जोश से गूंज उठा। यह लीग 9 से 11 अक्टूबर तक जयपुर के सीतापुर स्थित जी स्टूडियोज़ में खेली जा रही है। इस अनोखी पहल का मकसद है – डिजिटल दुनिया की रचनात्मकता को खेल की ऊर्जा से जोड़ना। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रिंसिपल सेक्रेटरी, यूथ अफेयर्स और स्पोर्ट्स डेवलपमेंट, नीरज के. पवन ने अपनी उपस्थिति से कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। उन्होंने कहा, यह शानदार पहल है, जो दिखाती है कि आज के डिजिटल क्रिएटर्स कितने ऊर्जावान और बहुमुखी हैं। यह सिर्फ खेल नहीं, एक नई सोच है। उद्घाटन समारोह किसी फिल्मी सीन से कम नहीं था। लाल परी फेम सिंगर सिमर कोर ने जब मंच संभाला, तो हर कोई झूम उठा। उनका लाइव कॉन्सर्ट पूरे माहौल में जोश और मस्ती भर गया, जिसने लीग



की शुरुआत को और भी धमाकेदार बना दिया। इस लोग में जोधाना वॉरियर्स (कप्तान विकल्प मेहरा), बिकाना बुल्स (पंकज शर्मा), मेवाड़ मैवरिक्स (छोटू सिंह), शेखावटी स्पार्टन्स (राहुल चौधरी), पिंग सिटी पलटन (कुलदीप सिंघानिया) पांच टीमों, मैदान में मुकाबला और मस्ती करती दिखाई देंगी। हर टीम में सोशल मीडिया के जाने-माने चेहरे हैं, जो इस बार अपने फॉलोअर्स के लिए सिर्फ रील्स नहीं, बल्कि रन और विकेट लेकर

आए हैं। खेलो क्रिएटर्स लीग के फाउंडर और सीओ राहुल चौधरी ने कहा कि हम चाहते हैं कि क्रिएटर्स सिर्फ स्क्रीन तक सीमित न रहें, बल्कि खेल के जरिए फिटनेस, टीमवर्क और पॉजिटिव एनर्जी का संदेश दें। अटलेंचर स्पोर्ट्स के सीईओ और फाउंडर शुभम चौधरी ने बताया कि यह लीग सिर्फ मनोरंजन नहीं, बल्कि एक प्रोफेशनल स्पोर्टिंग एक्सपीरियंस है, जहां हर चीज का प्रबंधन बड़े स्तर पर किया गया है।

आखिर क्यों भारत के खिलाफ दिल्ली टेस्ट में काली पट्टी बांधकर उतरे वेस्टइंडीज के खिलाड़ी?

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के खिलाफ अरुण जेटली स्टेडियम में जारी दूसरे टेस्ट मैच में वेस्टइंडीज के खिलाड़ी अपनी बांह पर काली पट्टी बांधकर उतरे हैं। खिलाड़ियों ने पूर्व ऑलराउंडर बर्नार्ड जूलियन को श्रद्धांजलि देने के लिए ऐसा किया है। साल 1975 में विश्व कप विजेता टीम का हिस्सा रहे जूलियन 4 अक्टूबर को दुनिया छोड़ गए। क्रिकेट वेस्टइंडीज (सीडब्ल्यूआई) ने शुक्रवार को एक बयान में कहा, वेस्टइंडीज के खिलाड़ी भारत के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच के पहले दिन पूर्व खिलाड़ी बर्नार्ड जूलियन के सम्मान में बांह पर काली पट्टियां बांध रहे हैं। बर्नार्ड का पिछले सप्ताह निधन हो गया था। ऑलराउंडर जूलियन 1975 विश्व कप विजेता टीम के सदस्य थे। 1970 के दशक



में वेस्टइंडीज के उत्थान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले जूलियन ने 24 टेस्ट मुकाबलों में 866 रन बनाने के साथ 50 विकेट अपने नाम किए थे। उन्होंने 12 वनडे मुकाबलों में 86 रन बनाए और 18 विकेट लिए। विश्व कप 1975 में बर्नार्ड जूलियन ने 5 मुकाबलों में 17.70 की औसत के साथ 10 विकेट हासिल किए थे। उन्होंने श्रीलंका और न्यूजीलैंड के खिलाफ मुकाबलों में 4-4 विकेट हासिल किए। बतौर ऑलराउंडर क्रिकेट जगत में अपनी गहरी छाप छोड़ने वाले जूलियन ने साल 1973 में इंग्लैंड के खिलाफ लॉर्ड्स के ऐतिहासिक मैदान पर 121 रन की मैच जिताऊ पारी खेली थी। उल्लेखनीय है कि वेस्टइंडीज की टीम ने साल 1987 में अंतिम बार दिल्ली के अरुण जेटली

स्टेडियम में भारत के विरुद्ध टेस्ट मैच जीता था। भारत के खिलाफ अहमदाबाद में खेले गए पहले टेस्ट को पारी और 140 रन से गंवा चुकी वेस्टइंडीज इस मुकाबले में हर हाल में जीत दर्ज करना चाहेगी। अगर यह मैच ड्रॉ भी रहा, तो सीरीज भारत के नाम होगी। हालांकि, पिछले मुकाबले में मेहमान टीम के निराशाजनक प्रदर्शन को देखते हुए इस मुकाबले में भी मेजबान टीम का पलड़ा भारी नजर आ रहा है। टीम इंडिया इस मुकाबले में बिना किसी बदलाव के उतरी है। जबकि वेस्टइंडीज की टीम ने दो बदलाव किए हैं। ब्रैंडन किंग और जोहान लेने इस मैच से बाहर हैं। उनके स्थान पर एंड्रसन फिलिप और तेविन इमलाच को प्लेइंग इलेवन में शामिल किया गया है।

महिला विश्व कप : स्मृति मंधाना ने रचा इतिहास, वनडे में एक कैलेंडर वर्ष में सर्वाधिक रन बनाने वाली बल्लेबाज बनीं



विशाखापत्तनम, एजेंसी। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना ने विशाखापत्तनम में शुक्रवार को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मैच में इतिहास रच दिया। मंधाना एक कैलेंडर वर्ष में वनडे में सबसे ज्यादा रन बनाने वाली बल्लेबाज बन गई हैं। मंधाना

ने 26 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ा है। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मंधाना ने 33 गेंदों पर 23 रन बनाए। इस दौरान 11वां रन बनाते ही वह एक कैलेंडर वर्ष में वनडे में सर्वाधिक रन बनाने वाली बल्लेबाज बन गईं। मंधाना ने इस साल 17 वनडे मैचों की 17 पारियों में 4 शतक और 3

अर्धशतक लगाते हुए 982 रन बनाए हैं। पूर्व का रिकॉर्ड ऑस्ट्रेलियाई ब्लेंड क्लार्क के नाम था। क्लार्क ने 1997 में 970 रन बनाए थे। दक्षिण अफ्रीका की लॉरा वोल्वार्ट 2022 में 882 रन बनाकर इस सूची में तीसरे स्थान पर हैं। मंधाना के पास एक कैलेंडर वर्ष में 1000 या उससे अधिक रन बनाने का मौका है, और ये उपलब्धि वो इसी विश्व कप में हासिल कर सकती हैं। हालांकि मंधाना का फॉर्म भारतीय टीम के लिए चिंता का विषय बना हुआ है। विश्व कप से पहले ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हुई वनडे सीरीज में वह प्रचंड फॉर्म में थी और कई शतकीय पारियां खेली थीं, लेकिन विश्व कप में उनका बल्ल अब तक खामोश रहा है। इस मैच में जब वह 23 रन पर खेल रही थी, तो ऐसा लग रहा था कि वह बड़े स्कोर की तरफ बढ़ रही हैं। लेकिन, उनका खराब फॉर्म जारी रहा और अच्छी शुरुआत के बाद एक बार फिर वह बड़ा स्कोर बनाने में कामयाब नहीं हो सकीं। मंधाना विश्व कप के तीन मैचों में 8, 23, और 23 रन बना सकीं। उनकी असफलता भारतीय टीम की बल्लेबाजी कमजोर कर रही है और परेशानी बढ़ रही है। टूर्नामेंट में अगर भारतीय टीम को अच्छा करना है, तो मंधाना को फॉर्म में वापस लौटना होगा।

केएल राहुल ने WTC में विराट-रोहित के बड़े रिकॉर्ड की बराबरी की, ऐसा करने वाले सातवें भारतीय बल्लेबाज बने

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय बल्लेबाज केएल राहुल के लिए साल 2025 शानदार प्रदर्शन का गवाह बनता जा रहा है। इंग्लैंड के खिलाफ विदेशी धरती पर दो शतकों की मदद से टीम इंडिया को 2-2 की बराबरी दिलाने के बाद, राहुल ने अब विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (WTC) में एक बड़ी उपलब्धि अपने नाम कर ली है। **इंग्लैंड सीरीज में रहा शानदार प्रदर्शन:** केएल राहुल ने इंग्लैंड के खिलाफ चार मैचों की टेस्ट सीरीज में 500 से ज्यादा रन बनाए और भारतीय बल्लेबाजी क्रम की रीढ़ बनकर उभरे। उनकी ठोस तकनीक और संयम ने उन्हें टीम का सबसे भरोसेमंद खिलाड़ी बना दिया है।

WTC में बनाया बड़ा रिकॉर्ड – 2000 रन पूरे: वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे टेस्ट के पहले दिन, राहुल ने WTC के इतिहास में 2000 रन पूरे करने वाले सातवें भारतीय बल्लेबाज बने की उपलब्धि हासिल की। उन्हें यह रिकॉर्ड बनाने के लिए केवल 16 रनों की आवश्यकता थी, जिसे उन्होंने जेडन सोल्स की गेंद पर लगातार दो चौके लगाकर शानदार अंदाज़ में पूरा किया।

विराट और रोहित के साथ खास सूची में शामिल: इस उपलब्धि के साथ ही केएल राहुल अब



विराट कोहली और रोहित शर्मा की उस खास सूची में शामिल हो गए हैं, जिन्होंने WTC में सबसे ज्यादा रन बनाए हैं। वर्तमान में भारत की ओर से सबसे ज्यादा WTC रन ऋषभ पंत (2731 रन) के नाम हैं, जो फिलहाल पेर की चोट से उबर रहे हैं। पंत ने छह शतक के साथ शीर्ष स्थान पर जगह बनाई है। उनके बाद रोहित शर्मा, शुभमन गिल, विराट कोहली, रवींद्र जडेजा और यशस्वी जायसवाल इस सूची में शामिल हैं।

WTC इतिहास में भारत के लिए सर्वाधिक रन

ऋषभ पंत - 38 मैच - 2731 रन
रोहित शर्मा - 40 मैच - 2716 रन
शुभमन गिल - 39 मैच - 2697 रन
विराट कोहली - 46 मैच - 2617 रन
रवीन्द्र जडेजा - 46 मैच - 2505 रन
यशस्वी जयसवाल - 26 मैच - 2251 रन
केएल राहुल - 31 मैच - 2003 रन
जो रूट का रिकॉर्ड अभी भी कायम: विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के इतिहास में सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड इंग्लैंड के जो रूट के नाम दर्ज है। उन्होंने अब तक 69 टेस्ट मैचों में 6080 रन बनाए हैं, जो किसी भी बल्लेबाज के लिए एक कठिन मानक है।
आगे का लक्ष्य – भारत की टेस्ट विरासत को आगे बढ़ाना: राहुल के लिए यह उपलब्धि सिर्फ व्यक्तिगत मील का पत्थर नहीं, बल्कि टेस्ट क्रिकेट में उनकी निरंतरता और समर्पण का प्रमाण है। आने वाले मैचों में वह भारत की बल्लेबाजी को स्थिरता देने और WTC 2025-27 चक्र में नई ऊँचाइयों छूने की कोशिश जारी रखेंगे।

शुभमन गिल और रवि शास्त्री का बड़ा रिकॉर्ड तोड़ा



नई दिल्ली, एजेंसी। सलामी बल्लेबाज यशस्वी जयसवाल ने शुक्रवार को दूसरे टेस्ट मैच के पहले दिन वेस्टइंडीज के खिलाफ मुकाबले में अपने टेस्ट करियर का सातवां टेस्ट शतक लगाया। इस शतक के साथ उन्होंने शुभमन गिल और रवि शास्त्री का बड़ा रिकॉर्ड तोड़ दिया है जबकि एलेस्टेयर कुक और जावेद मियांदाद

की एलीट लिस्ट में शामिल हो गए हैं। आज यहां यशस्वी ने खारी पियरे की पहली गेंद पर दो रन लेकर अपना सातवां शतक पूरा किया। उन्होंने 145 गेंदों में 16 चौके लगाते हुए अपना शतक बनाया। जायसवाल का सातवां टेस्ट शतक 24 साल की उम्र से पहले आया, केवल तीन खिलाड़ियों ने इससे अधिक शतक बनाए हैं।

इस उम्र में ऑस्ट्रेलिया के डेन ब्रैडमैन ने (12) शतक, सचिन तेंदुलकर ने (11) शतक, और गारफील्ड सोबर्स ने (9) शतक बनाने वालों में हैं। अब वह जावेद मियांदाद, ग्रीम स्थिथ, एलेस्टियर कुक और केन विलियमसन के साथ सात-सात शतक लगाने वाले क्लब में शामिल हो गए हैं।

23 साल की उम्र में सबसे ज्यादा टेस्ट शतक

- 12 - डोनाल्ड ब्रैडमैन (ऑस्ट्रेलिया), 26 पारियों में
- 11 - सचिन तेंदुलकर (भारत), 80 पारियों में
- 9 - गैरी सोबर्स (वेस्टइंडीज), 54 पारियों में
- 7 - यशस्वी जायसवाल (भारत), एलेस्टेयर कुक (इंग्लैंड), जावेद मियांदाद (पाकिस्तान), ग्रीम स्थिथ (दक्षिण अफ्रीका), केन विलियमसन (न्यूजीलैंड)
- 23 साल की उम्र में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में भारत के लिए सबसे ज्यादा शतक
- 22 - सचिन तेंदुलकर (220 पारियां)
- 15 - विराट कोहली (119 पारियां)
- 8 - यशस्वी जायसवाल (71 पारियां)*
- 7 - रवि शास्त्री (110 पारी)
- 7 - शुभमन गिल (73 पारी)

35 प्राचार्यों को जेडी का कारण बताओ नोटिस ई-अटेंडेंस का प्रयोग न करने पर डीईओ सहित अन्य अधिकारियों पर कार्रवाई

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। जिले में ‘हमारे शिक्षक’ ऐप के माध्यम से शैक्षणिक स्टाफ की ई-अटेंडेंस दर्ज नहीं करने पर लोक शिक्षण संचालनालय के निर्देश पर रीवा संभाग के संयुक्त संचालक लोक शिक्षण ने सतना जिले के प्रभारी डीईओ सहित 35 प्राचार्यों को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। इन सभी के खिलाफ एक वर्ष की वेतनवृद्धि असंचयी प्रभाव से रोकने की कार्रवाई प्रस्तावित की गई है।

संस्थान प्रमुख होकर भी नहीं निभाई जिम्मेदारी: संयुक्त संचालक ने नोटिस में कहा है कि संबंधित प्राचार्य संस्थानों के प्रमुख होते हुए भी उन्होंने ई-अटेंडेंस दर्ज कराने की जिम्मेदारी को गंभीरता से नहीं



लिया। ऐप के माध्यम से उपस्थिति दर्ज कराना अनिवार्य होने के बावजूद समय पर अनुपालन नहीं किया गया। यह

लापरवाही शासकीय आदेशों की अवहेलना मानी गई है।

जवाब मांगा गया, संतोषजनक न होने पर होगी कार्रवाई: सभी प्राचार्यों से जवाब मांगा गया है। यदि उनका उत्तर संतोषजनक नहीं पाया गया तो उनके खिलाफ विभागीय

महिला बाल विकास विभाग में अधिकारियों की मिलीभगत से बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। महिला बाल विकास विभाग में अधिकारियों की मिलीभगत से बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार हो रहा है, और अधिकारी इस बात से भली-भांति वाकिफ हैं। शहर के अंदर स्व सहायता समूह चल रहे हैं, जिनके माध्यम से आंगनबाड़ी में पोषण आहार वितरित किया जाता है। स्व सहायता समूह का नियम यह है कि उनका निर्माण गरीब लोग करें और वही लोग उन्हें संचालित करें। लेकिन सतना शहर में तीन समूहों का संचालन एक पटवारी की पत्नी, रेनू सिंह, कर रही है। रेनू सिंह पतेरी में रहती हैं और भरहुत नगर से संचालित समूह की अध्यक्ष हैं। कायदे से, किसी शासकीय कर्मचारी की पत्नी को किसी समूह की अध्यक्ष नहीं होना चाहिए।

इस पूरे मामले में कागज की जालसाजी की गई है। यदि बारीकी से जांच की जाए, तो यह

समूह तत्काल प्रभाव से रह हो जाएंगे। मामला जालसाजी का है, इसलिए रेनू सिंह के खिलाफ एकआईआर भी होनी चाहिए।

वर्तमान में, रेनू सिंह कागज की हेरा-फेरी करके बढ़ते कदम भरहुत नगर स्व सहायता समूह और विष्णु स्व सहायता समूह अहरी टोला वार्ड नंबर 3 में संचालित हैं। प्रगति स्व सहायता समूह जो नई बस्ती वार्ड नंबर 14 में संचालित है, की भी जांच की जानी चाहिए। जब इनका वास्तविक परीक्षण किया जाएगा, तो यह सभी समूह फर्जी निकलेंगे। इन तीनों समूहों के माध्यम से साढ़े चार वर्षों से लगातार दो लाख प्रति महीने के हिसाब से फर्जीबाड़ी किया जा रहा है। यदि महिला बाल विकास विभाग इस पूरे मामले की बारीकी से जांच करे, तो रिकवरी का मामला तो बनेगा ही, साथ ही 420 के तहत मामला भी दर्ज हो सकता है।

डॉ. प्रवीण सोनी की गिरफ्तारी के विरोध में इंडियन मेडिकल एसोसिएशन का विरोध प्रदर्शन डॉक्टरों में रोष एवं असुरक्षा का भाव

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन सतना शाखा ने आज डॉ. प्रवीण सोनी की अनुचित गिरफ्तारी के विरोध में जिला चिकित्सालय में काली पट्टी बांधकर शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन किया। संघ के पदाधिकारियों और सदस्यों ने इसे चिकित्सा समुदाय के सम्मान पर आघात बताया। आई एम ए सतना के अध्यक्ष डॉ. राकेश अग्रवाल ने कहा कि डॉ. प्रवीण सोनी एक प्रतिष्ठित चिकित्सक हैं, जिन्होंने समाज की निःस्वार्थ सेवा की है। बिना जांच के उनकी गिरफ्तारी अन्यायपूर्ण है और इससे चिकित्सकों का मनोबल प्रभावित होता है।

आई एम ए सचिव डॉ. अलोक खन्ना ने जिला प्रशासन से मांग की कि इस प्रकरण की निष्पक्ष जांच कराई जाए और डॉ. सोनी को शीघ्र रिहा किया जाए। उन्होंने कहा कि बिधिय में ऐसे घटनाक्रमों से बचने के लिए



स्पष्ट दिशा-निर्देश तय किए जाएं, ताकि चिकित्सकों को असुरक्षा का अनुभव न हो। गैजेटेड ऑफिसर एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ. मनोज सिंह तोमर ने भी रोष व्यक्त करते हुए कहा कि उनकी यूनिफ़ॉर्म आई एम ए सतना के साथ है और इस गिरफ्तारी का विरोध करती है।

इस विरोध प्रदर्शन में आई एम ए के सहसचिव डॉ. संजीव प्रजापति, डॉ. प्रभात सिंह बघेल, डॉ. सुधाशु गर्ग, और अन्य चिकित्सक उपस्थित रहे। आई एम ए ने चेतवानी दी है कि यदि उचित कार्रवाई नहीं की गई, तो संगठन राज्य स्तर पर आंदोलन की रणनीति तैयार करेगा।

शासकीय कन्या महाविद्यालय सतना में मनाया गया विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर शासकीय कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय सतना में हिंदी विभाग द्वारा भारतीय ज्ञान परंपरा प्रकोष्ठ के तत्वाधान में आयोजित एक दिवसीय व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ एके पाण्डेय द्वारा मां सरस्वती की पूजन अर्चन कर किया गया।

कार्यक्रम संयोजक प्रो. रामकांत सिंह ने विश्व स्वास्थ्य दिवस का विषय प्रवर्तन करते हुए कहा कि वर्तमान में जैसे-जैसे दुनिया डिजिटल हो रही है वैसे-वैसे मानसिक स्वास्थ्य की समस्या सामने आ रही है। डॉ राम भजन साकेत ने कहा कि मानसिक स्वास्थ्य को अच्छा



रखने के लिए अच्छे नींद की आवश्यकता होती है। इसके लिए हमें सोना धातु की अपेक्षा अपने सोने के समय को बढ़ाना होगा। धीरज सतनामी ने मानसिक स्वास्थ्य पर बोलते हुए कहा कि की मस्तिष्क की जटिल संरचना में नकारात्मक

एवं सकारात्मक दोनों पार्टिकल पाए जाते हैं। जब हमारे मस्तिष्क में सकारात्मक पार्टिकल की कमी हो जाती है तो मानसिक स्वास्थ्य बिगड़ जाता है।

इतिहास विषय के सौरभ अग्निहोत्री ने कहा कि मानसिक

रोग की जड़ चिंता है। अतः अपनी दिनचर्या को प्रकृति सब जोड़कर रखें एवं चिंता मुक्त जीवन जिए जिससे आपका मानसिक स्वास्थ्य अच्छा रह सके। प्राचार्य डॉ एके पाण्डेय ने कहा कि मानसिक स्वास्थ्य को ठीक रखना आज सबसे बड़ी

कार्रवाई आगे बढ़ाई जाएगी। प्रारंभिक स्तर पर एक वर्ष की वेतनवृद्धि रोकने की सिफारिश की गई है, जो असंचयी प्रभाव से लागू होगी।

प्रभारी डीईओ समेत इन प्राचार्यों को जारी हुआ नोटिस: कार्रवाई की जद में आने वालों में प्रभारी जिला शिक्षा अधिकारी कंचन श्रीवास्तव के साथ बड़खेरा के संतराम द्विवेदी, चंदई की सरिता वस्तवार, प्रतापपुर के सुधीर कुमार साकेत, कलवलिया के विजय कुमार गर्ग, बेरहना के रामविश्वास साकेत, चित्रकूट के योगेश चंद्र मिश्रा, बिलौंथा के शैलेन्द्र प्रताप सिंह, मढ़ीकला के दयाशंकर मिश्रा, सोनौरा के राजेश गौतम, मरौंहा के रावेन्द्र त्रिपाठी, रामनगर के विमल निगम, सराय के वृजेन्द्र तिवारी,

गढ़वाखुर्द के रामसुख वर्मा, घोरकट की सरोज शुक्ला, बेला के कुंवर बहादुर सिंह, मुढहा के देवेन्द्र सिंह राजावत, बारीकला के राजेश शर्मा, रामस्थान के राजेश वाजपेयी, बिरला कॉलोनी की रेखा गुप्ता, मांद के शत्रुजीत सिंह, सिंहजटा के शिवा राजर्ज, माधवगढ़ के सुनुबाबू, रैगांव की विनीता खरे, धवारी की राजवी श्रीवास्तव, कोठी के शैलेन्द्र सिंह, बगहा, भुमकहर के संजय श्रीवास्तव, भरजुना की मझगवां अस्पताल ले जाया गया, जहां से गंभीर स्थिति देखते हुए जिला अस्पताल सतना रेफर कर दिया गया। जहां बच्ची को आईसीयू में रखा गया है।

पति ने पत्नी-बेटी को मारा हंसिया, घरेलू विवाद में हमला; मासूम के सिर में आई चोट, महिला की कटी उंगलियां



आरोपी राकेश वर्मा, मजदूरी करता है। वह कई दिनों से अपनी पत्नी रामवती वर्मा (30) के साथ विवाद कर रहा था। शुक्रवार को बहस बढ़ गई और राकेश ने आपा खोकर

उंगलियां काट गई और सिर पर गहरी चोट आई, जबकि बच्ची के सिर में गंभीर घाव आए। घटना के समय बच्ची मां की गोद में ही थी। दोनों को पहले मझगवां अस्पताल ले जाया गया, जहां से गंभीर स्थिति देखते हुए जिला अस्पताल सतना रेफर कर दिया गया। जहां बच्ची को आईसीयू में रखा गया है।

आरोपी गिरफ्तार: घटना की सूचना मिलते ही मझगवां थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि आरोपी हमले के वक्त शराब के नशे में था। पुलिस ने आरोपी की तलाश के लिए टीम बनाई थी आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है।

मां-बेटी गंभीर, जिला अस्पताल में इलाज जारी: हमले में रामवती की हाथ की

कफ सिरप से बच्चों की मौत, कांग्रेस का विरोध प्रदर्शन कैंडल मार्च निकालकर दी श्रद्धांजलि, दोषियों पर कार्रवाई की मांग

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। छिंदवाड़ा में जहरीली कफ सिरप पीने से 20 से

परिवारों को उचित मुआवजा दिया जाए। ये रहे शामिल: इस कैंडल मार्च में रामकुमार

अधिक मासूम बच्चों की मौत के विरोध में जिला कांग्रेस कमिटी ने गुरुवार रात प्रदर्शन किया। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने टिकुरिया टोला से जयसंभ चौक तक कैंडल मार्च निकाला और बच्चों को श्रद्धांजलि दी।

यह मौन कैंडल मार्च लगभग 3 किलोमीटर लंबा था। मार्च का नेतृत्व जिला कांग्रेस कमिटी ग्रामीण के अध्यक्ष एवं विधायक सिद्धार्थ कुशवाहा और शहर अध्यक्ष आरिफ इकबाल ने किया। कार्यकर्ताओं ने हाथों में जलती मोमबत्तियां लेकर अपनी संवेदनाएं व्यक्त कीं।

भाजपा सरकार कमीशनखोरी में लिप्त: कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार कमीशनखोरी में लिप्त है, जिसके कारण प्रदेश में जहरीली दवाइयों का आयात बढ़ रहा है और मासूम बच्चों को अपनी जान गंवानी पड़ रही है। कांग्रेस ने मांग की है कि इस मामले के दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए और पीड़ित



तिवारी, प्रदीप समदरिया, रितेश त्रिपाठी, आशुतोष सिंह, दिलीप जैन, सयेंद्र निगम, सीमा बागरी, लल्लूलाल सतनामी, पुष्पराज कुशवाह, सिद्धार्थ सिंह, संजय तिवारी, पंकज कुशवाह, वरुण गुर्जर, अंकित गुप्ता, बाला यादव, जय मिश्रा, डॉली चौरसिया, बालेश त्रिपाठी, विक्रान्त त्रिपाठी, टोन्ू सोनी, सुनील गुप्ता, केपी पाल, मोहम्मद रईस, संजय पटारिया सहित सैकड़ों कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे।

हत्या के प्रयास का आरोपी गिरफ्तार, रामपुर बाघेलान के बेला चौराहे पर चाकू से किया था हमला; कोर्ट ने भेजा जेल

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। जिले की रामपुर बाघेलान पुलिस ने हत्या के प्रयास के एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी ने बेला चौराहे पर चाकू से हमला किया था। उसे न्यायालय में पेश करने के बाद न्यायिक अभिरक्षा में केंद्रीय जेल सतना भेजा गया है। यह घटना 7 अक्टूबर को हुई थी। फरियादी संदीप सिंह (35) अपने भाई ज्ञान सिंह के साथ बेला चौराहा गए थे। वहां सौरभ सिंह (निवासी बरती विजयराज सिंह) और रवि सिंह मौजूद थे। सौरभ सिंह ने ज्ञान सिंह को अलग बुलाकर बातचीत शुरू की, जो जल्द ही विवाद में बदल गई।

विवाद बढ़ने पर सौरभ सिंह ने गाली-गलौज करते हुए अपने पास रखे चाकू से



ज्ञान सिंह पर जानलेवा हमला करने का प्रयास किया। जब फरियादी संदीप सिंह बीच-बचाव करने पहुंचे, तो सौरभ सिंह ने उन्हें भी चाकू मार दिया, जिससे वे घायल हो गए। पुलिस ने आरोपी पर केस दर्ज कर जांच शुरू की थी। गुरुवार को पुलिस ने आरोपी सौरभ सिंह परिहार (26) को गिरफ्तार किया। उसे न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे केंद्रीय जेल सतना भेज दिया गया।

शराब पिलाकर बालक के साथ दुष्कर्म, शराब कंपनी का कर्मचारी गिरफ्तार

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। जिले की रामपुर बाघेलान पुलिस ने एक नाबालिग बालक को शराब पिलाकर उसके साथ दुष्कर्म करने के आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। आरोपी शराब कंपनी का कर्मचारी है। टीआई संदीप चतुर्वेदी ने बताया कि शराब



कंपनी के एक कर्मचारी का नाबालिग बेटा अपने कुछ दोस्तों के साथ 30 सितंबर को बेला स्थित अपने पिता के पास घूमने आया था। 2 अक्टूबर की रात को दुकान के कर्मचारी धर्मेन्द्र गुर्जर (20) ने उसे बहला-फुसलाकर शराब पिलाई।

शराब के नशे में बालक दूसरे कमरे में जाकर सो गया। देर रात आरोपी धर्मेन्द्र ने नाबालिग के साथ दुष्कर्म किया। विरोध करने पर

अर्धरात्रि को दुर्लभ ब्लड देकर बचाई बच्ची की जान, हमारे खून से किसी का जीवन बचता है तो जीवन सार्थक: रमेश

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। रक्त की महत्ता वही जान सकता है, जिन्हें ब्लड की आवश्यकता होती है। जब ब्लड बैंक में रक्त उपलब्ध नहीं होता, तो परिजन अत्यंत निराश और परेशान हो जाते हैं। गत दिवस बिरला अस्पताल में भर्ती 4 दिन की बच्ची को अर्धरात्रि में ओ नेगेटिव ब्लड की अत्यंत आवश्यकता पड़ी, जिसे उपलब्ध करवाकर बच्ची की जान बचाने का प्रयास किया गया। समाजसेवी एवं सिंधु विकास समिति के अध्यक्ष विनोद गेलानी ने बताया कि शत दिवस बिरला अस्पताल में भर्ती 4 दिन की बच्ची को रात 1१00 बजे 0 नेगेटिव ब्लड की आवश्यकता थी। ब्लड के लिए परिजन बेहद परेशान हो गए। जब जानकारी संस्था के सश्रेणी आकाश बनर्जी को मिली, तो उन्होंने तुरंत पंडित रमेश पांडे जी से संपर्क किया और ब्लड डोनेट करवाने का



प्रयास किया। पंडित रमेश पांडे जी ने रक्तदान करते हुए कहा, यह हमारा सीमाध्य है कि हमारे खून से किसी का जीवन बचता है। यह हमारे जीवन जीने के उद्देश्य को सार्थक करता है। उन्होंने सिंधु विकास समिति परिवार को साधुवाद दिया, जो निरंतर मानवता की सेवा कर रहे हैं। पांडे जी के रक्तदान करने पर समिति के संरक्षक श्रीचंद मनवाणी, गोपी गेलानी, मनोहर डिवाानी, ज्ञान खटवानी, इंद्रलाल आडवाणी, और अन्य सदस्यों ने बधाई दी और उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

महामहिम राज्यपाल के मैहर कार्यक्रमों हेतु अधिकारियों को सौंपे गये दायित्व

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। मध्यप्रदेश के महामहिम राज्यपाल मंगुभाई पटेल के 11 अक्टूबर को मैहर जिले में प्रस्तावित कार्यक्रमों में सुरक्षा व्यवस्था की दृष्टि से प्रशासनिक व्यवस्था बनाये रखने हेतु कलेक्टर मैहर रानी बाटड द्वारा विभिन्न जिला अधिकारियों को दायित्व सौंपे गये हैं। कलेक्टर द्वारा जारी आदेशानुसार अपर कलेक्टर मैहर संजना जैन, एसडीएम मैहर दिव्या पटेल तथा तहसीलदार मैहर जितेन्द्र पटेल को कार्यक्रम की संपूर्ण व्यवस्था के लिए जिम्मेदारी दी गई है। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सतना/मैहर शैलेन्द्र सिंह, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत मैहर अशोक तिवारी,

डीपीएम एनआरएलएम भारती दीक्षित तथा एनआरएलएम सपेन्द्र मिश्रा को कार्यक्रम में सम्मिलित होने वाले प्रतिभागियों के वाहन व्यवस्था सहित अन्य सभी व्यवस्थाएं कराना सुनिश्चित करेंगे। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मैहर चंचल नागर को सुरक्षा व्यवस्था की संपूर्ण जिम्मेदारी दी गई है। मुख्य नगर पालिका अधिकारी मैहर सुपमा मिश्रा को कार्यक्रम स्थल पर फयर ब्रिगेड एवं फेमबेस्ड फायर ट्रेण्डर की संपूर्ण व्यवस्था, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. एलके तिवारी एवं ड्रग इंस्पेक्टर प्रियंका चौबे को स्वास्थ्य संबंधित समस्त व्यवस्था का दायित्व सौंपा गया है।